गुरुवार, 26 मार्च 2026

मौसम

तापमान 24 – 34
आर्द्रता 74%
सूर्योदय: 05:37 सूर्यास्त: 17:49

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

तमस को दूर कर सत्य ज्ञान का प्रकाश कराने वाली माता महागौरी पृष्ठ 2

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच

कोलकाता, चैत्र शुक्लपक्ष अष्टमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : भाग्य लिखा दस्तावेज नहीं है, इसे तो रोज स्वयं ही लिखना पड़ता है।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

आज मतदान का अधिकार छीना जा रहा है, अगली बार वे नागरिकता भी छीन लेंगे : ममता

कहा... 'मेरे जीते जी राज्य में नहीं लागू होंगे एनआरसी और सीएए नहीं'

जलपाईगुड़ी : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा, केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर बुधवार को तीखा हमला करते हुए उनपर एसआईआर के जरिये लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। ममता ने साथ ही यह चेतावनी भी दी कि अगला कदम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के जरिये नागरिकता छीनने का प्रयास हो सकता है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा के आगामी चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरुआत राजनीतिक रूप से अहम उत्तर बंगाल से करते हुए यह टिप्पणी की। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग लोगों के मतदान अधिकारों को छीनने के लिए किया जा रहा है। जलपाईगुड़ी जिले के मयनागुड़ी और ठाकुरनगर क्षेत्र में रैलियों को संबोधित करते हुए ममता ने दावा किया कि मतदाता सूचियों के एसआईआर से मतदाताओं में भय उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे और मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें मध्यरात्रि को आजादी मिली थी और हमें इस पर गर्व है, लेकिन आज वे आजादी को भूल गए हैं। वे संविधान या लोकतंत्र का पालन नहीं कर रहे हैं। वे लोगों के मतदान के अधिकार छीन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज वे मतदान के अधिकार छीन रहे हैं; कल वे एनआरसी लाकर नागरिकता छीन लेंगे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण से राजबंशी और महिलाओं के साथ-साथ कई समुदाय प्रभावित हुए हैं। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के लिए महत्वपूर्ण समर्थन आधार बनाने वाली महिला मतदाताओं को लामबंद करने का प्रयास करते हुए कहा कि राजबंशियों के नाम एसआईआर के जरिये हटा दिए गए हैं। महिलाओं के नाम भी हटाए जा रहे हैं। एक महिला का नाम हटाना, पूरे महिला वर्ग का नाम हटाने के समान है। उन्होंने कहा कि नवंबर में अभियान शुरू होने के बाद से बंगाल में एसआईआर के कारण 220 लोगों की मौत हो चुकी है। भाजपा को यह याद रखना चाहिए, उन्हें जवाब देना होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिये बिना ममता ने जनसभा में उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे ''यहां मौजूद सज्जन और दिल्ली में बैठे दोनों सज्जनों को विदा'' करें। ममता ने रैलियों में जहां तीखे राजनीतिक हमले किए, वहीं उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख समर्थक समूहों को कल्याणकारी संदेशों के माध्यम से एकजुट करने का भी प्रयास किया। उन्होंने कहा कि अगर आप चाहते हैं कि चाय बागान खुले रहें, तो तृणमूल कांग्रेस को वोट दें। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने लक्ष्मीर भंडार, स्वास्थ्य साथी और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए इन्हें तृणमूल सरकार के कल्याणकारी मॉडल के उदाहरण के रूप में पेश किया।

केंद्र सरकार ने राज्यों को पत्र लिखकर अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत नौकरियां आरक्षित करने को कहा

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर 2027 में चार साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद 'अग्निवीरों' के पुनर्वास के लिए 20 प्रतिशत पद आरक्षित करने को कहा है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) मदन शील शर्मा ने कहा कि यह पत्र मुख्यमंत्रियों को संबोधित है। पत्र प्राप्त होने के बाद, हिमाचल प्रदेश सैनिक कल्याण विभाग ने राज्य सरकार को प्रस्ताव पर विचार करने के लिए एक रिपोर्ट भेजी है।

बंगाल में नमाज की पूरी आजादी है लेकिन पूजा आयोजित करने के लिए लेनी पड़ती है अनुमति : नितिन नबीन

भाजपा अध्यक्ष ने दक्षिणेश्वर काली मंदिर का किया दर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के नेता नितिन नबीन ने पश्चिम बंगाल में धार्मिक गतिविधियों की अनुमति को लेकर 'दोहरे मानदंड' अपनाए जाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि राज्य में नमाज अदा करने की पूरी आजादी है लेकिन पूजा आयोजित करने या पंडाल लगाने के लिए अदालत से अनुमति लेनी पड़ती है। नबीन ने कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित दक्षिणेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पत्रकारों से कहा कि यह स्थिति 'दुर्भाग्यपूर्ण' है। उन्होंने कहा कि यहां नमाज अदा करने की अनुमति है लेकिन पूजा करने और पंडाल लगाने के लिए उच्च न्यायालय से अनुमति मांगनी पड़ती है। नबीन ने कहा कि मैंने दक्षिणेश्वर में पूजा की और राज्य के लोगों के कल्याण तथा 'विकसित बंगाल' एवं 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए देवी से प्रार्थना की।

एसआईआर : बंगाल में 'विचाराधीन' 13 लाख मतदाताओं को नहीं मिली जगह, कुल 76 लाख के नाम कटे

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग के एक शीर्ष अधिकारी ने कोलकाता में बुधवार को बताया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 'विचाराधीन' श्रेणी में रखे गए मतदाताओं में से 32 लाख की जांच की गई और उनमें से 40 प्रतिशत का नाम हटा दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि वास्तविक आंकड़ों में परिवर्तित करने पर, न्यायिक प्रक्रिया के उपरांत हटाए गए मतदाताओं की संख्या वर्तमान में 13 लाख है। अधिकारी ने पुष्टि की कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान पहले ही लगभग 63 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए थे और इन आंकड़ों के साथ अब मतदाता सूची में जगह नहीं पाने वाले मतदाताओं की कुल संख्या बढ़कर लगभग 76 लाख हो गई है। अधिकारी ने बताया कि अब तक विचाराधीन 32 लाख मतदाताओं के मामलों का निस्त-ारण किया जा चुका है, जबकि राज्य में वर्तमान में कार्यरत 705 न्यायिक अधिकारियों द्वारा लगभग 28 लाख मामलों का निपटारा किया जाना बाकी है। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को पहली पूरक सूची के प्रकाशन के दौरान निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर लगभग 10 लाख नाम अपलोड किए गए थे। उन्होंने लेकिन यह भी कहा कि सूची में हटाए गए नामों की सटीक संख्या के बारे में उनके पास कोई जानकारी नहीं है।

ईरान ने अमेरिका का युद्धविराम प्रस्ताव खारिज किया, पश्चिम एशिया में जमीनी हमले किए

ईरान तय करेगा कब खत्म होगा युद्ध

पाकिस्तान पश्चिम एशिया में शांति के लिए ईरान और अमेरिका के बीच संदेश पहुंचा रहा

दुबई : ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजराइल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़े विभिन्न गुटों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि लड़ाई 'उन सीमाओं को पार कर चुकी है, जिनकी कल्पना नेताओं ने भी नहीं की थी'। युद्धविराम प्रस्ताव के बावजूद ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गयी। ईरान ने ये जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजराइल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया, ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी। अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने 'जोरदार हमले' जारी रखेगा। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारेस ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़े विभिन्न गुटों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि लड़ाई 'उन सीमाओं को पार कर चुकी है, जिनकी कल्पना नेताओं ने भी नहीं की थी'। उन्होंने अमेरिका और इजराइल से ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने का आग्रह किया। गुतारेस ने ईरान से खाड़ी देशों पर हमले रोकने का आह्वान करते हुए कहा, 'यह हद से ज्यादा हो गया है'। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है।

संशोधित 'उड़ान' योजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी, 28,840 करोड़ रुपये का प्रावधान

देशभर में 100 नए हवाई अड्डों के विकास की योजना

200 नए हेलीपैंड बनाने का लक्ष्य

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) के संशोधित प्रारूप को मंजूरी दे दी। अगले 10 साल के लिए 28,840 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना के तहत हवाई अड्डों के विकास, उनके रखरखाव और भारत में निर्मित विमानों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। एयरलाइन कंपनियों को इन मार्गों पर उड़ानों के परिचालन को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने (वीजीएफ) के लिए वित्त वर्ष 2026-27 से शुरू होने वाली 10 साल की अवधि में 10,043 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों को बताया कि संशोधित योजना के तहत राज्यों के सहयोग से मौजूदा 100 हवाई पट्टियों को हवाई अड्डों के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए अगले आठ वर्षों में 12,159 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, योजना का लक्ष्य अगले आठ वर्षों में 3,661 करोड़ रुपये की लागत से 200 आधुनिक हेलीपैड बनाना है। इनका विकास मुख्य रूप से पिछड़े जिलों में अंतिम छोर तक पहुंच और आपातकालीन सेवाओं के लिए होगा। विमानों और हे-लीपोर्ट के रखरखाव के लिए तीन साल तक वित्तीय सहायता दी जाएगी।

भाजपा ने जारी की 19 उम्मीदवारों की तीसरी सूची, आरजी कर पीड़िता की मां पानीहाटी से प्रत्याशी

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने बुधवार की शाम उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची जारी कर दी है, जिसमें सबसे चौंकाने वाला नाम आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में दरिंदगी की शिकार महिला डॉक्टर की मां का है। पार्टी ने उन्हें उत्तर 24 परगना जिले की पानीहाटी से चुनाव मैदान में उतारा है। इस नई सूची के साथ ही भाजपा ने राज्य की 294 सीटों में से अब तक कुल 275 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। अब केवल 19 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा बाकी है। इनमें एक सीट जयपुर पर विश्वजीत महतो नामक एक स्थानीय नेता को भाजपा ने समर्थन दिया है। भाजपा ने इस सूची में कूचबिहार दक्षिण से रथींद्र नाथ बोस, राजगंज से दिनेश सरकार (हराधन सरकार), इस्लामपुर से चित्रजीत रॉय, हेमताबाद से हरिपदा बर्मन, इंग्लिश बाजार से अमलन भादुड़ी, शांतिपुर से स्वपन दास, पानीहाटी से रत्ना देबनाथ (आरजी कर रेप पीड़िता की मां), हावड़ा मध्य से बिप्लब मंडल, उत्तरपाड़ा से दीपांजन चक्रवर्ती, सिंगुर से डॉ. अरूप कुमार दास और चंदननगर (सीट 189) से दीपांजन कुमार गुहा, चूंचुड़ा से सुबीर नाग, हरिपाल से मधुमिता घोष, तमलुक से डॉ. हरे कृष्णा बेरा, मेदिनीपुर से डॉ. शंकर गुच्छैत, पूर्वस्थली दक्षिण से प्राणकृष्ण तपदार, कटवा से कृष्णा घोष, सैंथिया से कृष्णा कांत साहा और नलहाटी से अनिल सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है। इसके अलावा, सिंगूर, चंदननगर, तामलुक, मेदिनीपुर, कटवा और नलहटी जैसी सीटों पर भी उम्मीदवार घोषित किए गए हैं।

पीएनजी उपलब्ध होने पर भी उसकी सेवा नहीं लेने वालों की एलपीजी आपूर्ति बंद होगी: सरकारी आदेश

नयी दिल्ली : पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा उपलब्ध होने पर भी इसकी सेवा नहीं लेने वाले उपभोक्ताओं की घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। सरकार ने आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी है। यह कदम गैस नेटवर्क के विस्तार को तेज करने और एक ही ईंधन पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण प्रमुख स्रोतों से आपूर्ति प्रभावित होने से भारत में एलपीजी की कमी की स्थिति के बीच सरकार घरेलू एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। पीएनजी अधिक सुविधाजनक विकल्प है और इसकी आपूर्ति घरेलू उत्पादन तथा विविध स्रोतों से की जाती है। पीएनजी पाइपलाइन के माध्यम से रसोई गैस बर्नर तक लगातार पहुंचाई जाती है, जिससे सिलेंडर की बुकिंग की आवश्यकता नहीं रहती। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'प्राकृतिक गैस तथा पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन बिछाने, निर्माण, संचालन व विस्तार तथा अन्य सुविधाएं) आदेश, 2026' अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य पाइपलाइन अवसंरचना के विकास में तेजी लाना, मंजूरियों को आसान बनाना तथा एलपीजी से पीएनजी की ओर बदलाव को बढ़ावा देकर ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। इस 24 मार्च को जारी आदेश में कहा गया कि यदि पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद कोई परिवार इसे नहीं अपनाता है तो तीन महीने बाद एलपीजी की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी।

पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है और इस बाबत इस गिरोह के 10 प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया है और अत्याधुनिक विदेशी हथियारों का जखीरा बरामद किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मॉड्यूल कथित रूप से पुरानी दिल्ली से संचालित हो रहा था और यह सीमा पार नेटवर्क हिस्सा है, जो दिल्ली-एनसीआर और अन्य राज्यों में आपराधिक गिरोहों को अवैध हथियार की आपूर्ति करता था। इस अभियान के दौरान चेक गणराज्य में बनी एक सब-मशीन गन (एसएमजी) और 20 उच्च श्रेणी की अर्धस्वचालित पिस्तौल सहित कुल 21 आग्नेयास्त्रों के साथ-साथ 200 कारतूस जब्त किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि जब्त हथियारों में विशेष बलों द्वारा उपयोग की जाने वाली पीएक्स-5.7 पिस्तौल, तुर्किये निर्मित स्टोएगर पिस्तौल, चीन की पीएक्स-3 पिस्तौल, चेक गणराज्य की शैडो सीजेड पिस्तौल, साथ ही इटली की बेरेटा, ब्राजील की टॉरस और जर्मनी की वाल्थर पिस्तौलें शामिल हैं। जांचकर्ताओं के अनुसार, हथियारों का स्रोत पाकिस्तान था और गुप्त मार्गों का उपयोग करके भारत-नेपाल सीमा के माध्यम से भारत में इनकी तस्करी की गई थी, जिसके बाद उन्हें डीलरों और कूरियरों के एक नेटवर्क के माध्यम से वितरित किया गया था।

Ram Naresh Jaiswal M: 9830913810

Dinesh Timber Co.

Dealers :
All types of Timber, Plywood, Shuttering Woods & Shuttering Plywood.

19, Orphangunge Road, Kolkata-700023(Near Taj Bengal Hotel)

Phone: 033 2479 3089 E-mail: timberply@hotmail.com

सर्वदलीय बैठक : प्रधानमंत्री ने युद्ध जल्द खत्म करने पर जोर दिया, हम पाकिस्तान की तरह 'दलाल राष्ट्र' नहीं: सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम एशिया में युद्ध जल्द खत्म होना चाहिए, क्योंकि इससे सभी को नुकसान हो रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में करीब 1 घंटे 45 मिनट तक चली। इस बैठक में सरकार ने साफ संदेश दिया कि देश में हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और किसी भी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है। बैठक का मकसद विपक्ष को मौजूदा स्थिति से अवगत कराना और राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता दिखाना था। बैठक में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से जुड़े मंत्री मौजूद रहे, जिनमें अमित शाह, एस जयशंकर और निर्मला सीतारमण शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष में कथित मध्यस्थता के संदर्भ में पाकिस्तान को ''दलाल'' राष्ट्र करार दिया। सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बैठक में कहा कि इस मामले में पाकिस्तान के मध्यस्थता प्रयासों में कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि 1981 से अमेरिका द्वारा उस देश का ''इस्तेमाल'' किया जा रहा है। यह जानकारी मिली है कि जयशंकर ने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा के लिए संसद परिसर में बुलाई गई बैठक में उपस्थित नेताओं से कहा, ''हम दलाल राष्ट्र नहीं हैं।'' सूत्रों के अनुसार, सरकार ने विपक्ष के इस आरोप का खंडन किया कि भारत सरकार इस मामले पर चुप है और कहा, ''हम टिप्पणी कर रहे हैं और जवाब भी दे रहे हैं।'' सरकार का पक्ष था कि जब ईरान दूतावास खोला गया, तो विदेश सचिव ने तुरंत वहां दौरा किया और शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए।

देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, सरकार की लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

सरकार ने बुधवार को स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल, डीजल या रसोई गैस (एलपीजी) की कोई कमी नहीं है। सरकार ने नागरिकों से सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों पर विश्वास न करने और घबराहट में गैस बुकिंग न करने का आग्रह किया है। खाड़ी क्षेत्र के होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव के कारण रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि सभी तेल रिफाइनरी कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार के साथ पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और बिक्री केंद्र सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं।ल शर्मा ने कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें। हमारे पास ईंधन का पर्याप्त भंडार है और सरकार इसे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

बीमा कंपनियों व अस्पतालों का मकड़जाल

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल-फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे-बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल-फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दर्शाता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्प-तालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक-तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है।

दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्प-ताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश-दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं। सवाल उन सरकारी विभागों पर भी है, जो बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की पहल नहीं करती। तभी साल में करोड़ों रुपये की उगाही करने वाली बीमा कंपनियां कई तकनीकी वजहों से मरीज के इलाज में लगी रकम का बड़ा हिस्सा देने से मना कर देती हैं। वास्तव में जरूरत इस बात की है कि बीमा कराते वक्त ईमानदारी से बीमे से जुड़ी शर्तों से उपभोक्ता को अवगत कराया जाए। लेकिन इससे जुड़े जटिल व अस्पष्ट नियमों को पारदर्शी ढंग से समझाया ही नहीं जाता, जिसको वे बाद में इलाज कराने के उपरांत भुगतान रोकने का जरिया बना लेती हैं। जिसके चलते अक्सर अस्पताल में भर्ती होने पर आए खर्च और बीमा कंपनियों द्वारा भुगतान की गई राशि में बड़ा अंतर नजर आता है। निस्संदेह, देश में इस दिशा में उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच होनी चाहिए कि मरीजों को बीमे का कितना लाभ मिला और अस्पताल तथा बीमा कंपनियों के मुनाफे का स्तर क्या रहा। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए निगरानी हेतु एक राष्ट्रीय तंत्र बनाया जाना जरूरी है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 26 मार्च, गुरुवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, चैत्र शुक्लपक्ष अष्टमी, 11:51 तक, नक्षत्र : आद्रा, 16:20 तक, योग : शोभना, 24:32 तक, सूर्योदय: 05:37, सूर्यास्त: 17:49, चन्द्रोदय : 11:23, चन्द्रास्त: 11:23, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : मिथुन, राहू काल : 13:13 से 14:44

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आने वाला है। अपने कामों में आपको अच्छी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं, जिससे आत्मविश्वास भी मजबूत होगा।

वृष : आज का दिन आपके मान-सम्मान में वृद्धि करने वाला रहेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है, खासकर किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचें।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए थोड़ा उलझनों से भरा हो सकता है। इसलिए अपनी वाणी और व्यवहार में संयम बनाए रखना बहुत जरूरी होगा। किसी कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

कर्क : आज का दिन आपके लिए अच्छा और सहयोग से भरा रहेगा। परिवार के वरिष्ठ सदस्य हर कदम पर आपका साथ देंगे। आय बढ़ाने के नए अवसर भी सामने आ सकते हैं।

सिंह : आज का दिन आपको जोखिम भरे कार्यों से दूर रहने की सलाह देता है। कार्यक्षेत्र में आपको लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा और आप अपने काम समय पर पूरे करने की कोशिश करेंगे।

कन्या : आज का दिन आपके लिए सुख और संतोष से भरा रहेगा। परिवार में किसी नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे घर का माहौल खुशहाल हो जाएगा।

तुला : आज का दिन निवेश से जुड़े मामलों में आपके लिए शुभ रहने वाला है। शेयर मार्केट या निवेश से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिल सकता है। आपके सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपनी माताजी से कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे, जिससे समस्याओं का समाधान भी मिल सकता है।

धनु : आज का दिन आपके लिए आनंद और मौज-मस्ती से भरा रहेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिससे आपको गर्व महसूस होगा। वाहन चलाते समय भी सतर्क रहें।

मकर : आज परिवार के सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने कामों में काफी व्यस्त रहेंगे और कई जिम्मेदारियां एक साथ निभानी पड़ सकती हैं।रुका हुआ धन मिलने की संभावना है।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए अनुकूल और प्रगति से भरा रहेगा। अपनी बुद्धिमत्ता और समझदारी से आप लोगों को प्रभावित करेंगे। नया वाहन खरीदने का विचार भी मन में आ सकता है।

मीन : आज का दिन आपके लिए लाभ और प्रगति के संकेत लेकर आया है। अपनी मेहनत और लगन से आप अच्छा मुकाम हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

तमस को दूर कर सत्य ज्ञान का प्रकाश कराने वाली माता महागौरी

अशोक प्रवृद्ध

सृष्टि की आदिशक्ति का अष्टम स्वरूप महागौरी चेतना की उस अवस्था का प्रतीक है, जहां कठिन तपस्या और संघर्ष के बाद सिद्धि और शुद्धि का मिलन होता है। पौराणिक आख्यानों में जहां वे भगवान शिव की अर्द्धांगिनी बनने हेतु की गई कठोर तपस्या की परिणति हैं, वहीं तन्त्र में वे शान्त स्वरूपा और अमोघ फलदायिनी शक्ति हैं। उनका गौर वर्ण केवल शारीरिक सुंदरता नहीं, बल्कि आत्मा पर जमी तमस अर्थात अंधकार की परतों के धुल जाने का प्रमाण है। वे अज्ञान के कालेपन को धोकर ज्ञान के श्वेत प्रकाश में परिणत होने वाली शाश्वत ऊर्जा हैं। देवी महागौरी की उत्पति और उनके स्वरूप का विस्तृत वर्णन विभिन्न पुराणों और शास्त्रों में मिलता है। माता पूर्णतः गौर वर्ण की होने के कारण महागौरी कहलाती हैं। नवदुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की उत्पत्ति से जुड़ी मुख्य कथाएं शिव पुराण, देवी भागवत पुराण और मार्कंडेय पुराण (देवी महात्म्य) में प्राप्त होती हैं। शिव पुराण के अनुसार देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। वर्षों की इस साधना के दौरान धूल, मिट्टी और धूप के कारण उनका शरीर अत्यंत काला पड़ गया था। जब शिव ने उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें दर्शन दिए, तो उन्होंने देवी के शरीर को गंगा के पवित्र जल से धोया। गंगाजल के स्पर्श से देवी का शरीर विद्युत के समान देदीप्यमान और गौर वर्ण का हो गया, जिसके बाद वे महागौरी कहलाईं। मार्कंडेय पुराण के अनुसार जब शुंभ-निशुंभ राक्षसों के संहार के लिए देवी के शरीर से कौशिकी (महासरस्वती) प्रकट हुईं, तब पार्वती का शरीर पूरी तरह काला हो गया और वे कालिका कहलाईं। बाद में पुनः तपस्या और शिव की कृपा से उन्होंने अपना श्वेत स्वरूप अर्थात महागौरी रूप प्राप्त किया। कथाओं के अनुसार एक भूखा सिंह देवी की तपस्या के दौरान उन्हें खाने की प्रतीक्षा में वहीं बैठ गया था। देवी की तपस्या पूर्ण होने पर उन्होंने उस सिंह की धैर्यपूर्ण प्रतीक्षा को भी तपस्या माना और उसे अपना वाहन बना लिया। तन्त्र शास्त्रों और आगम ग्रंथों में महागौरी को अष्टवर्षा भवेद् गौरी कहा गया है, जिसका अर्थ है कि उनका स्वरूप आठ वर्ष की कन्या के समान निर्मल और पवित्र है। इनकी आयु आठ वर्ष मानी गई है और इनका वर्ण शंख, चन्द्र तथा कुन्द के फूल के समान श्वेत है। इनकी चार भुजाएं हैं। दाहिना ऊपरी हाथ अभय मुद्रा में है, जो भय से मुक्ति का प्रतीक है। दाहिना निचला हाथ में त्रिशूल है, जो पापों का नाश है। बायां ऊपरी हाथ में डमरू है, जो नाद और अनंत का प्रतीक है। बायां निचला हाथ वर मुद्रा में है, जो वरदान देने वाली का प्रतीक है। इनका वाहन वृषभ (बैल) है, जिसके कारण इन्हें वृषारूढ़ा भी कहा जाता है। महागौरी का श्वेत वर्ण शुद्ध सत्व का प्रतीक है, जो सभी प्रकार की मलिनता और अज्ञानता को दूर करता है। देवी भागवत पुराण के अनुसार इनकी पूजा से भक्तों के संचित पाप नष्ट हो जाते हैं और वे अक्षय पुण्य के अधिकारी बनते हैं। तन्त्र में इन्हें शांभवी शक्ति का स्वरूप माना जाता है जो साधक को मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान करती हैं। महागौरी की साधना के दौरान इस मंत्र का जाप विशेष फलदायी होता है-श्वेते वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिः।

महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा।। ज्योतिष और योग साधना के रहस्यों में देवी महागौरी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। जहां अन्य देवियां संहार या युद्ध की मुद्रा में होती हैं, महागौरी पूर्णतः लय, शांति और शुद्धिकरण की अधिष्ठात्री हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार देवी महागौरी राहू ग्रह को नियंत्रित करती हैं। राहू भ्रम, भय, मानसिक अशांति और अचानक आने वाली बाधाओं का कारक है। महागौरी की उपासना से राहू के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं। जो जातक कालसर्प दोष या राहू की महादशा से पीड़ित होते हैं, उनके लिए महागौरी का पूजन अमृत के समान माना गया है। उनका वर्ण श्वेत के समान कुंद के फूल जैसा होने के कारण वे मन की शीतलता और शांति की प्रतीक भी हैं। ज्योतिष में इन्हें मन की शुद्धि और भावनाओं के संतुलन के लिए पूजा जाता है। इन्हें मंगला भी कहा जाता है। कुंडली में विवाह संबंधी बाधाओं या मांगलिक दोष के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए इनका आशीर्वाद अनिवार्य माना गया है। योग मार्ग में महागौरी का संबंध शरीर के महाशून्य और विशुद्धि चक्र के ऊर्ध्वगमन से है। नवरात्रि के आठवें दिन साधक का चित्त महामाया से हटकर शुद्ध चेतना की ओर बढ़ता है। यह वह अवस्था है, जहां साधक अपनी इंद्रियों पर पूर्ण विजय प्राप्त करने के निकट होता है। योग साधना में महागौरी की कृपा से साधक का कंठ स्थित विशुद्धि चक्र जागृत होता है, जिससे वाणी में ओज और सत्य का वास होता है। इसके बाद ही साधक आज्ञा चक्र अर्थात तीसरी आंख की ओर कदम बढ़ाता है। अमोघ फलदायिनी माता महागौरी की साधना से साधक की कुंडलिनी शक्ति निर्मल होती है। जिस प्रकार तपस्या के बाद पार्वती का काला रंग धुल गया और वे गौर हो गईं, उसी प्रकार योग साधना में महागौरी का ध्यान साधक के भीतर के तमस अर्थात अंधकार व आलस्य को धोकर उसे सत्व अर्थात प्रकाश व ज्ञान में बदल देता है। योग में सफेद रंग इड़ा और पिंगला के संतुलन और सुषुम्ना नाड़ी के प्रवाह का प्रतीक है। वृषभ (बैल) धर्म और स्थिरता का प्रतीक है। योग साधना में बिना मानसिक स्थिरता के सिद्धि संभव नहीं है। आयुर्वेद के परिप्रेक्ष्य में देवी महागौरी का अत्यंत गहरा और वैज्ञानिक संबंध तुलसी से है। आयुर्वेद और औषधीय ग्रंथों में उन्हें तुलसी और विशेष रूप से कायाकल्प की अधिष्ठात्री माना गया है। आयुर्वेदिक निघंटु और नवदुर्गा औषधि सिद्धांत के अनुसार महागौरी का औषधीय रूप तुलसी माना गया है। जिस प्रकार भगवान शिव ने गंगाजल से देवी का वर्ण निर्मल किया था, उसी प्रकार तुलसी रक्त की अशुद्धियों को दूर कर शरीर को गौर अर्थात कान्तिवान बनाती है। तुलसी त्रिदोष नाशक अर्थात वात, पित्त और कफ तीनों दोषों को संतुलित करती है, जो महागौरी के समत्व गुण का प्रतीक है। तुलसी को एडैप्टोजेन माना जाता है, जो तनाव कम करती है। यह महागौरी के शांत और सौम्य स्वरूप के अनुरूप है। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। महागौरी की काले वर्ण का धुलकर अत्यंत श्वेत हो जाने की पौराणिक कथा आयुर्वेद के कायाकल्प और विरेचन का सटीक रूपक है। शरीर में संचित आम अर्थात टोक्सींस ही वह कालापन है, जो रोगों का कारण बनता है। महागौरी की ऊर्जा इस विष को शरीर से बाहर निकाल कर कोशिकाओं को पुनर्जीवित करती है। आयुर्वेद में कुष्ठ, सोरायसिस और अन्य चर्म रोगों की शांति के लिए महागौरी की साधना और उनसे जुड़ी नीम, तुलसी, अनंतमूल आदि जड़ी-बूटियों का प्रयोग किया जाता है। आयुर्वेद में शरीर के तेज को ओज कहा गया है। महागौरी सोम अर्थात चंद्रमा की ऊर्जा शीतलता की प्रतीक हैं। पित्त बढ़ने से होने वाले दाह, जलन, अम्लता आदि रोगों में महागौरी के स्वरूप का ध्यान और शीतल औषधियों का सेवन स्वास्थ्यवर्धक होता है। अष्टमी के दिन नारियल और दूध के नैवेद्य का विधान है। आयुर्वेद में ये दोनों ही पित्तशामक और बल्य अर्थात ताकत देने वाले हैं, जो सात दिनों के उपवास के बाद शरीर की धातुओं को पोषण देते हैं। योग, आयुर्वेद के अनुसार महागौरी का संबंध विशुद्धि चक्र और थायरॉयड ग्रंथि से भी है। उनकी ऊर्जा कंठ प्रदेश को शुद्ध करती है, जिससे चयापचय अर्थात मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहता है। तन्त्र और आयुर्वेद के संगम शारदा तिलक आदि ग्रंथों में अष्टमी के दिन महास्नान का वर्णन है, जिसमें सर्वौषधि, पंचगव्य आदि अनेक औषधियों का प्रयोग होता है। यह स्नान शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में महागौरी केवल एक देवी नहीं, बल्कि पूर्ण शुद्धि की वह अवस्था है जहां शरीर और मन रोगों से मुक्त होकर अपने शुद्धतम रूप में प्रकाशित होते हैं। महागौरी का स्वरूप अध्यात्म, विज्ञान और आयुर्वेद का एक अद्भुत संगम है।

पौराणिक, तांत्रिक, आयुर्वेदिक ग्रंथों में अंकित महागौरी से संबंधित विवरणियों के विवेचन से यह स्पष्ट होता है कि वे केवल एक पौराणिक चरित्र नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के हर स्तर पर प्रभाव डालने वाली शक्ति हैं। अध्यात्म में वे मुमुक्षु अर्थात मोक्ष की इच्छा रखने वाले साधक की उस स्थिति का प्रतीक हैं, जहां मन निर्विकार और शांत हो जाता है। ज्योतिष में वे राहू जैसे मायावी और भ्रमकारी ग्रहों के प्रभाव को अपनी सौम्यता से नियंत्रित कर जीवन में दिशा और स्पष्टता प्रदान करती हैं। आयुर्वेद में वे कायाकल्प की अधिष्ठात्री हैं। जिस प्रकार गंगाजल ने उनके शरीर के ताप और मलिनता को दूर किया, उसी प्रकार उनकी औषधीय शक्ति - तुलसी और शीतल तत्व हमारे शरीर के विष को समाप्त कर स्वास्थ्य और कांति लौटाती है। महागौरी की उपासना का अर्थ है- भीतर के अंधकार का त्याग और सत्य के प्रकाश का वरण। वे संदेश देती हैं कि कठिन तप अर्थात परिश्रम के बाद ही मनुष्य का व्यक्तित्व स्वर्ण की भांति चमकता है। उनकी कृपा से साधक को न केवल भौतिक सुख और आरोग्य प्राप्त होता है, बल्कि वह मानसिक क्लेशों से मुक्त होकर परम शांति को प्राप्त करता है।

-लेखक, आध्यात्मिक चिन्तक व साहित्यकार

एचपीवी वैक्सीन की अहमियत को पहचानने का सफर- गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम में एक निवेश

अज्योत्सना गोविल

प्रधानमंत्री द्वारा अजमेर में 28 फरवरी को एचपीवी वैक्सीन कार्यक्रम का शुभारंभ गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम के लिए जन स्वास्थ्य की दिशा में एक शानदार उपलब्धि है। टेलीविजन पर इस कार्यक्रम को देखते हुए, मैं श्री मोदी के युवा लड़कियों से बातचीत करने के तरीके से कार्यक्रम को मानवीय रूप देने से बेहद प्रभावित हुई।

भारत का सुनियोजित और प्रभावी अभियानों के ज़रिए गंभीर बीमारियों के बोझ को खत्म करने का एक लंबा इतिहास रहा है। 1950 के दशक में चेचक उन्मूलन से लेकर हाल ही में चलाए गए पल्स पोलियो अभियानों तक, ये अभियान सफलता के लिए तैयार किए गए थे। वही अनुशासन और जनविश्वास अब एचपीवी टीकाकरण की सफलता का रास्ता तय करेंगे।

मैं केंद्र और राज्य सरकारों की इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करती हूँ।

इंडियन कैंसर सोसाइटी लंबे समय से सर्वाइकल कैंसर से होने वाली नुकसान को लेकर चिंतित है। फाइलों में दर्ज आंकड़े हमारे लिए महिलाओं की वास्तविक दर्शाते हैं। हम जानते हैं कि एक मां की मृत्यु से परिवार बिखर जाते हैं। हम उस दर्द से भी वाकिफ हैं, जिसे महिलाएं चुपचाप सहती हैं। अधिकतर महिलाओं को इलाज केंद्रों तक तभी ले जाया जाता है, जब बीमारी लाइलाज हो चुकी होती है।

महिलाएं खुलकर शिकायत नहीं करतीं। वे अपने गुप्तांगों में होने वाले दर्द के बारे में आसानी से नहीं बतातीं। जब सस्ते होने के कारण दृश्य निरीक्षण की सलाह दी जाती है, तो हमें लगता है कि यह एक महिला की गरिमा से समझौता है। जब 1950 के दशक से ही यूरोप और अमेरिका में पैप स्मीयर जैसे बेहतर और अधिक वैज्ञानिक परीक्षणों ने स्क्रीनिंग, निदान और परिणामों में क्रांतिकारी बदलाव ला दिए थे, तो हम केवल सस्ते होने के कारण कम प्रभावी तरीकों पर निर्भर क्यों रहे? क्या भारतीय महिलाओं का जीवन कम कीमती है?

इंडियन कैंसर सोसाइटी ने पैप टेस्ट और अब एचपीवी डीएनए स्क्रीनिंग टेस्ट के लिए धन जुटाया। हम थर्मल एब्लेशन द्वारा घावों की पहचान और उपचार के लिए द्वितीयक स्क्रीनिंग करते हैं। हम उन महिलाओं को भी वित्तीय मदद प्रदान करते हैं, जिनका कैंसर इन सरल उपायों से आगे बढ़ चुका है।

लेकिन एक इलाज योग्य संक्रमण को इतनी विनाशकारी बीमारी में बदलने ही क्यों दिया जाए?

एचपीवी वैक्सीन 2008 से ही ज्ञात है और भारत में इसे 2010 में लॉन्च किया गया था। गुजरात और आंध्र प्रदेश में अभियान शुरू किए गए, जहां तीन खुराक वाला शेड्यूल लागू किया गया। 9 से 14 वर्ष की आयु की कई हजार लड़कियों को टीका लगाया गया।

फिर एंटी-वैक्सीन आंदोलन शुरू हो गया। आत्महत्या, डूबने और ट्रेन दुर्घटनाओं की भयावह कहानियां व्यापक रूप से फैल गईं। ये दुखद घटनाएं किसी भी तरह से वैक्सीन से कैसे संबंधित थीं, यह मेरे लिए अभी भी स्पष्ट नहीं है। एहतियात के तौर पर बड़े पैमाने पर उत्प-ादन करने का शुरुआती अवसर स्थगित करना पड़ा। हालांकि, एक अच्छी बात यह थी कि शोध पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया। सैकड़ों लड़कियों को पूरी खुराक ना मिलने के कारण, शोधकर्ताओं को दीर्घकालिक फॉलो-अप का एक मूल्यवान अवसर मिला। जिन लड़कियों को टीके की एक ही खुराक मिली, वे उन लड़कियों की तरह ही स्वस्थ होकर बड़ी हुईं, जिन्हें टीके की दो या तीन खुराकें मिली थीं, जिससे आज के सरलीकृत कार्यक्रम की नींव पड़ी।

कई दिग्गज इस शोध में शामिल रहे हैं, जिनमें डॉ. पार्थ बसु (आईएआरसी डब्ल्यूएचओ) भी शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत में एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत से भविष्य में करीब दस लाख सर्वाइकल कैंसर के मामलों को रोका जा सकता है। 17,729 लड़कियों पर 15 वर्षों से अधिक समय तक किए गए दीर्घकालिक भारतीय शोध से पता चला है कि यह टीका काफी सुरक्षित है और इसकी एक खुराक ही प्रभावी सुरक्षा प्रदान करती है। उनका कहना है कि सरल वितरण प्रणाली और व्यापक कवरेज के साथ, भारत भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के बोझ को काफी हद तक कम कर सकता है।

मैं दिवंगत डॉ. शंकर नारायण को नमन करती हूँ, जिनके वर्षों के निरंतर शोध ने बेहतर परिणाम दिए हैं और डॉ. बसु को इन दीर्घकालिक अध्ययनों को जारी रखने के लिए धन्यवाद भी देती हूँ। उनके कार्य, पीएटीएच और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों तथा राष्ट्रीय शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अन्य कार्यों ने प्रभावकारिता और सुरक्षा दोनों में विश्वास को मजबूत किया है।

वैश्विक अनुभव इस विश्वास को और पुख्ता करता है। ऑस्ट्रेलिया में, सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्कूल-आधारित एचपीवी टीकाकरण 2007 में शुरू हुआ, बाद में लड़कों तक विस्तारित हुआ और साल 2023 में एकल-खुराक कार्यक्रम में बदल गया। जैसा कि प्रोफेसर डेबोरा बेटसन ने बताया है, 2021 में 25 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का कोई मामला सामने नहीं आया, जो रिकॉर्ड शुरू रखने के बाद पहली बार हुआ है। यह उपलब्धि व्यापक रूप से निरंतर उच्च टीकाकरण कवरेज के कारण हासिल हुई है।

हांगकांग एक और उदाहरण पेश करता है। स्कूल-आधारित टीकाकरण, कैच-अप कार्यक्रमों और अभिनव स्व-नमूना स्क्रीनिंग पहलों के ज़रिए कवरेज में लगातार सुधार हुआ है। कैथरीना रीमर और डॉ. करेन चान ने बताया है कि कैसे प्राथमिक विद्यालय की लड़कियों के लिए मुफ्त टीकाकरण, मजबूत कार्यान्वयन अनुसंधान और विस्तारित स्क्रीनिंग पहुंच ने हांगकांग को डब्ल्यूएचओ के उन्मूलन लक्ष्यों के अनुरूप बना दिया है।

आइए हम उनकी सफलता की कहानियों में अपना भी योगदान दें। आइए हम बेटियों का टीकाकरण करें और माताओं की स्क्रीनिंग करें। योजना, कवरेज और जनविश्वास के साथ, हम डब्ल्यूएचओ के सर्वाइकल कैंसर को एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में खत्म करने के आह्वान को पूरा कर सकते हैं।

भारत में राष्ट्रीय टीकाकरण प्रणालियों में टीकों को शामिल करना अक्सर वैज्ञानिक जांच, आपूर्ति गारंटी और कार्यक्रम संबंधी तैयारियों के कारण समय लेने वाला होता है। हालांकि, ज़रुरी बातों पर सोच-समझ कर ध्यान दिया गया है और इस बात का पुख्ता आश्वासन है कि एक बार लागू होने के बाद वे विफल नहीं होंगे।

कैंसर को शुरुआत से पहले ही रोकना दूरदर्शिता का एक असाधारण उदाहरण है और भारत सरकार की इस नैतिक स्पष्टता की सराहना की जानी चाहिए। इसके साथ ही यह उम्मीद भी की जाती है कि टीकाकरण के होने से स्क्रीनिंग और जागरूकता का सफर ना रुके और आने वाली पीढ़ियां इस पल को भारत द्वारा रोकथाम को प्राथमिकता देने के रूप में याद रखें और भारत पोलियो और चेचक की तरह ही यहां भी एक सफल उदाहरण बनकर उभरे।

(लेखिका इंडियन कैंसर सोसायटी, दिल्ली शाखा की अध्यक्ष हैं)

वर्ग पहेली नं. 3390

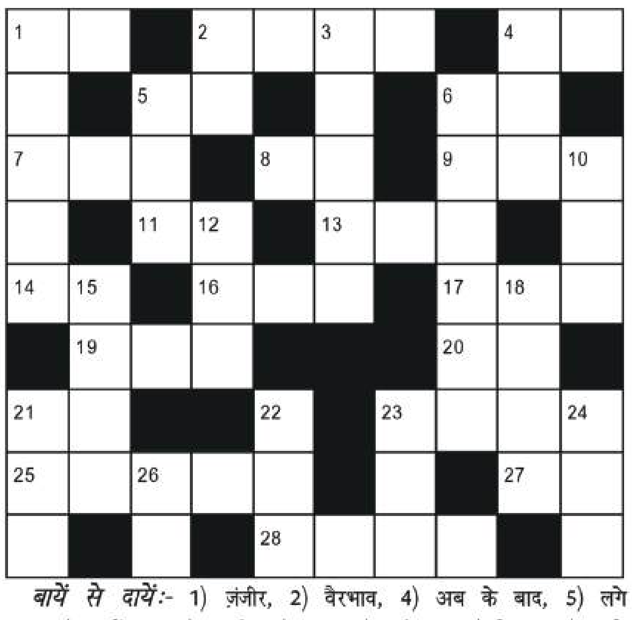

ऊपर से नीचे:- 1) चुग़ली, 2) उसी क्षण, 3) मज़मेबाज़, 4) बुनियाद, 5) भूतकालीन, 6) तत्काल, 10) स्त्री, 12) लालसा, 15) सप्ताहान्त, 18) निकटता, 21) सागर, 22) समूहगान, 23) प्रश्नपत्र, 24) एक धर्म-संस्थापक, 26) एक फल. *(उत्तर: अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) ज़ंजीर, 2) वैरभाव, 4) अब के बाद, 5) लगे हाथ, 6) अर्धरिक्त, 7) चुस्ती, 8) फंदा, 9) गदीला, 11) पेंदा, 13) भाई, 14) तोता, 16) कृषिकर, 17) अंतर, 19) समझ, 20) सीलन, 21) एक और चौथाई, 23) बढ़ना, 25) कृष्ण, 27) स्वरआलाप, 28) ख़बर.

पिछली पहेली का उत्तर

सुडोकू-पहेली-3348

							8	
	4				1		6	
	7		9			4		
		1			2			8
			7		6		9	5
							7	
6		5	3					4
3	2			8				
				9				

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3347 का उत्तर

3	8	7	4	6	9	5	1	2
1	5	9	2	3	7	8	4	6
4	2	6	5	1	8	9	7	3
8	7	3	6	9	4	1	2	5
6	1	5	7	2	3	4	8	9
2	9	4	8	5	1	3	6	7
5	3	2	1	8	6	7	9	4
7	6	8	9	4	5	2	3	1
9	4	1	3	7	2	6	5	8

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में एसआईआर की पहली पूरक सूची में आठ लाख नाम हटाये : ममता

जलपाईगुड़ी : नक्सलबाड़ी : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद के तहत 27 लाख मतदाताओं की मतदान पात्रता का निर्धारण किया गया और उनमें से पहली पूरक सूची में आठ लाख नाम हटा दिए गए हैं। ममता ने दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी उपमंडल के नक्सलबाड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर 'गलत तरीके से बनाई गई एसआईआर' नीति को लागू करके लोगों को 'तकलीफ पहुंचाने' का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने मांग की कि ऑनलाइन प्रकाशित पूरक सूची की भौतिक प्रतियां तत्काल उपलब्ध कराई जाएं, ताकि हटाये गए नाम के आंकड़े का सत्यापन किया जा सके। उन्होंने कहा कि हालांकि मैं आश्वस्त नहीं हूं लेकिन मैंने सुना है कि विचाराधीन 27 लाख मतदाताओं में से आठ लाख नाम पहली पूरक सूची में हटा दिए गए हैं। लेकिन वह सूची कहां है? उस सूची की भौतिक प्रतियां अभी तक सरकारी कार्यालयों में क्यों नहीं लगाई गई हैं? उन्होंने कहा कि सूची प्रकाशित होने के बाद ही मैं जानकारी का सत्यापन कर सकती हूं। ममता ने कहा कि पहली पूरक सूची में जोड़े गए और हटाए गए आंकड़ों में पारदर्शिता की कमी के कारण प्रभावित नागरिक न्याय पाने के लिए आगे की कार्रवाई को लेकर असमंजस में हैं और तृणमूल कांग्रेस ऐसे नागरिकों को मुफ्त कानूनी परामर्श प्रदान करने के लिए शिविरों का आयोजन करेगी। उन्होंने घोषणा की कि जब यह सूची बूथ में प्रदर्शित होगी, तभी वे लोग, जिनके नाम अनुचित रूप से हटा दिए गए हैं, न्यायाधिकरणों में अपील करने के लिए आवेदन पत्र भर सकेंगे। हमें कानून के प्रावधानों के अनुसार इसका मुकाबला करना होगा और तृणमूल कांग्रेस प्रत्येक पीड़ित को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने भाजपा को 'एसआईआर के दौरान हुई 220 मौतों' के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए दावा किया कि भाजपा को एसआईआर के असर पर शर्म आनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मरने वालों में से आधे हिंदू और आधे मुसलमान थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी, अनुसूचित जाति और राजबंशी समुदायों के सदस्यों को निशाना बनाया गया और उन्हें सुनवाई के नोटिस भेजे गए। ममता ने अपने भाषण में भाजपा और निर्वाचन आयोग का सीधे तौर पर नाम लिए बिना कहा कि दो भाई अब मिलकर साजिशें रच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब बुजुर्ग नागरिकों को एसआईआर की कतारों में खड़ा किया गया और उनकी नागरिकता पर सवाल उठाए गए, तो भाजपा उन्हीं लोगों से वोट मांगने की हिम्मत कैसे कर सकती है? उन्होंने घोषणा की कि जब तक मैं हूं, बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) का काम नहीं होगा और न ही कोई निरुद्ध शिविर बनने दिया जाएगा।

पूर्व मेदिनीपुर के डीएम समेत छह आईएएस अधिकारियों का तबादला

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने प्रशासनिक स्तर पर एक और बड़ा फेरबदल किया है। आयोग ने पूर्व मेदिनीपुर के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) सहित छह आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। पूर्व मेदिनीपुर के डीएम उन्नीस रिशिन इस्माइल को पद से हटा दिया गया है। उन पर चुनाव से ठीक पहले संविदा कर्मचारियों की भर्ती करने के आरोप लगे थे। आयोग ने इन आरोपों को गंभीर मानते हुए उन्हें हटाने का निर्णय लिया। उनकी जगह निरंजन कुमार को नया जिला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। आयोग ने इसके साथ ही पांच अन्य जिलों में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) स्तर पर भी बदलाव किए हैं। उत्तर 24 परगना में तैनात विशेष सचिव तेजस्वी राणा को भाटपाड़ा विधानसभा क्षेत्र का रिटर्निंग आफिसर बनाया गया है। अलीपुरद्वार के एडीएम आदित्य विक्रम मोहन को मुर्शिदाबाद के रानीनगर, पूर्व बर्दवान के एडीएम रोहन लक्ष्मीकांत को बांकुड़ा के रानीनगर, झाड़ग्राम के एडीएम लक्ष्मण पेरुमल को बांकुरा के तालडांगरा और बांकुड़ा के एडीएम श्रीनिवास वेंकटराव पाटिल को मालदह के वैष्णवनगर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

Name Change

I, Trijit Pradhan S/o Subimal Pradhan R/o Tikra Para, Pratapdighi, Potaspur, Purba Medinipur, West Bengal - 721440, have changed my minor son's name from Kaustav Alias Kaustav Pradhan Aged 11 Years to Sanjit Pradhan forever.

Name Change

I, Trijit Pradhan S/o Subimal Pradhan R/o Tikra Para,Pratapdighi, Potashpur, Purba Medinipur, West Bengal - 721440, have changed my minor daughter's name from Ihita Alias Ihita Pradhan aged 11 years to Arvie Pradhan forever.

CHANGE OF NAME

I, Shreya Das daughter of Subrata Kumar Das R/O Village- Ukrasanda, P.O.- Bakhrabad, P.S.- Belda, District:- Paschin Medinipur, Pin-721424, West Bengal. this is to inform that My name was wrongly mentioned as Sreya Das in my father's PPO Vide No. 206202200513 (issue by office of the Principal Controller of Defense Accounts). So I hereby declare that my name from Sreya Das to Shreya Das Vide an affidavit sworn before the Notary Public at Alipore dated 23/03/2026 Sreya Das and Shreya Das both are same and one identical person.

पश्चिम मध्य रेल

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि.मं.सं. एवं दू.सं. इंजी. (सिगनल एवं दूर संचार) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल, निम्नलिखित कार्यों, **KOTA/S&T/SIG/2025/42** के लिए निर्धारित ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं टेण्डर खुलने की तारीख एवं समय **17.04.2026 ऐट 15:00** द्वारा निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जायेगा:- **क्र.सं.:01, टेन्डर सं.:** कोटा/एसएण्डटी/सिग./2025/42, **कार्य का नाम:** इनहेसिंग सेफ्टी बाए रिप्लेसिंग डिफेक्टिव/वार्न आउट टीएलजेबी, ट्रेक लीड, पॉइन्ट इन्सूलेशन, ग्राउण्ड कनेक्शन, लॉकेशन बॉक्स एण्ड फॉउण्डेशन, सिगनल एसेम्बलीस एण्ड फॉउण्डेशन इनक्लूडिंग ट्रेन्चिंग, लेयींग ऑफ केबिल्स, टर्मिनेशन इटीसी इन द सेक्शन ऑफ एडीएसटीई/बांरा ऑन कोटा डिविजन, **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹1,44,86,191.81, **बयाना राशि:** ₹2,89,800/-, **टेण्डर फॉर्म की कीमत:** नगण्य, **कार्य समाप्ति अवधि:** 12 माह, **टेन्डर जमा करने आखिरी तारीख एवं समय:** दिनांक 17.04.2026 को 15:00 बजे तक। **नोट:** पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड की गई है। निविदा/बोलीदाताओं के पास कक्षा III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदा/बोलीदाताओं ई-टेण्डरिंग पर भाग ले सकते है। सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किया जाना चाहियें। पंजीकृत निविदा एण्ड **GSTIN** रजिस्टर होना चाहिए। **(हस्ता.)**

वरि.मं.सं.एवं दू.सं. इंजी0 (समन्वय)
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

NOTICE
In the Court of Ld. Dist. Delegate at Alipore

Act 39 (Succession) Case No. 236 of 2025, Afzal Alam, son of Mahtab Alam, residing at 68, Syed Amir Ali Avenue, Ballygunge, Kolkata 700 019, West Bengal within the jurisdiction of Karaya Police Station.
.......Applicant

Please take notice that the Applicant has filed the proceeding for grant of Succession Certificate in respect of the Shares, Securities left by Abdul Jabbar, since deceased, amounting to Rs. 22,74,817.05/-Anyone having objection shall inform in writing within 30 days from publication otherwise the proceeding will be disposed exparte.

By order
Sherestadar
District Judge's court
Alipore South 24 Parganas

निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले चुनाव कर्मियों के मानदेय में की वृद्धि

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनावों से पहले, पीठासीन अधिकारियों, मतदान कर्मियों, मतगणना कर्मियों, पर्यवेक्षकों और चुनाव संचालन से जुड़े अन्य अधिकारियों के मानदेय में वृद्धि कर दी है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मानदेय ढांचे में संशोधन का उद्देश्य चुनावों के दौरान लंबे और कठिन घंटों तक काम करने वाले कर्मचारियों को पर्याप्त पारितोषिक सुनिश्चित करना और उन्हें प्रोत्साहित करना है। अधिकारी ने बताया कि पीठासीन अधिकारियों का दैनिक भत्ता पहले के 350 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है, यानी इस कार्य के लिए उन्हें कुल 2,000 रुपये मिलेंगे। उन्होंने बताया कि अब मतदान अधिकारियों को पहले के 250 रुपये के बजाय प्रतिदिन 400 रुपये, या फिर एकमुश्त 1,600 रुपये मिलेंगे। अधिकारी ने बताया कि मतगणना में मदद करने वालों के लिए दैनिक भत्ता 250 रुपये से बढ़कर 450 रुपये कर दिया गया है, यानी उन्हें एक बार में कुल 1,350 रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर सीधे तौर पर काम करने वाले चौथे श्रेणी के कर्मचारियों को अब रोज़ाना 200 रुपये के बजाय 350 रुपये मिलेंगे, यानी उन्हें एक बार में 1,400 रुपये का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इसी श्रेणी के कॉल सेंटर या नियंत्रण कक्ष में काम करने वाले कर्मचारियों को 1,000 रुपये का एकमुश्त भत्ता मिलेगा, जो पहले 200 रुपये प्रतिदिन था। अधिकारी ने बताया कि मानदेय में वृद्धि का लाभ वीडियो निगरानी, लेखांकन, कंट्रोल रूम और कॉल सेंटर कर्मियों जैसी सहायक टीम को भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रथम और द्वितीय श्रेणी के कर्मचारियों के लिए, एकमुश्त पारिश्रमिक 1,200 रुपये से बढ़कर 3,000 रुपये हो गया है। तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों के लिए, यह राशि अब 1,000 रुपये के बजाय 2,000 रुपये होगी। अधिकारी ने बताया कि पर्यवेक्षकों को अब एकमुश्त भुगतान के तौर पर 2,000 रुपये मिलेंगे, जो पहले 1,000 रुपये थे। उन्होंने कहा कि मतदान कर्मचारियों, पुलिस कर्मियों, सचल दलों और होम गार्ड के लिए दैनिक टिफिन भत्ता भी 150 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया, ''चुनाव ड्यूटी पर तैनात वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाने वाली राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (डीडीईओ) को अब मानदेय के तौर पर कम से कम एक महीने का मूल वेतन मिलेगा, जबकि सीएपीएफ के राजपत्रित अधिकारियों और विभिन्न स्तरों के निरीक्षकों के भत्तों में, ड्यूटी की अवधि के आधार पर बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय शस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) राजपत्रित अधिकारियों को 15 दिनों तक सेवा देने पर अब 2,500 रुपये के बजाय 4,000 रुपये मिलेंगे और इस अवधि से अधिक सेवा देने पर अब 1,250 रुपये के बजाय 2,000 रुपये प्रति सप्ताह की दर से भुगतान किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि निरीक्षक, उप निरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक और उनके समकक्ष कर्मचारियों को 15 दिनों तक की चुनाव ड्यूटी के लिए 3,000 रुपये और इससे अधिक की अवधि के लिए 1500 रुपये प्रति हफ्ते की दर से मिलेगी। उन्होंने बताया कि पहले यह दरें क्रमश: 2,000 रुपये और 1,000 रुपये थीं।

'चार मई को नंदीग्राम में भी बजेगा डीजे', शुभेंदु गढ़ में अभिषेक ने कहा

कहा.. 'नंदीग्राम में बीजेपी के पास ट्रिपल इंजन हैं, फिर भी उन्होंने कुछ नहीं दिया'

मेदिनीपुर : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भीतजे व तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के गढ़ नंदीग्राम में खड़े होकर उन्हें कड़ी चुनौती दी है। चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए अभिषेक ने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश दिया कि इस बार नंदीग्राम पर उनकी विशेष नजर रहेगी। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि चार मई को चुनावी नतीजों के दिन नंदीग्राम की गलियों में भी जीत का डीजे बजेगा। उन्होंने पार्टी के भीतर गुटबाजी के प्रति आगाह करते हुए कहा कि यदि किसी के व्यक्तिगत अहंकार के कारण दल को नुकसान हुआ, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। अभिषेक बनर्जी ने नंदीग्राम की

जनता से अपील की कि वे इस बार 'भूमिपुत्र' पवित्र कर को विजयी बनाएं। उन्होंने सुवेंदु अधिकारी पर निशाना साधते हुए कहा कि स्थानीय विधायक ने क्षेत्र के विकास के बजाय केवल भगवा झंडे और धार्मिक नारों की राजनीति की है। अभिषेक के अनुसार, नंदीग्राम के विधायक लोगों के अन्न, वस्त्र और आवास से जुड़े बुनियादी सवालों का जवाब देने के बजाय धर्म की बात करते हैं। उन्होंने वादा किया कि यदि तृणमूल उम्मीदवार जीतते हैं, तो क्षेत्र में 'सेवाश्रम' और माडल हेल्थ कैंप के जरिए घर-घर तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जाएंगी। बनर्जी ने जोर देकर कहा कि नंदीग्राम की मिट्टी को 'अपवित्र' करने वालों को जनता इस बार करारा जवाब देगी। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि नंदीग्राम में भाजपा का ट्रिपल इंजन है, जिसमें सांसद, विधायक और केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, फिर भी उन्होंने विधानसभा क्षेत्र को कुछ नहीं दिया।

बंगाल में भय के साम्राज्य का होगा अंत, खिलेगा भरोसे का कमल : नितिन नबीन

भाजपा का दावा अध्यक्ष , चार मई को बंगाल में मनेगी भगवा होली, टूटेंगे जीत के सभी पुराने रिकार्ड

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार को कोलकाता में हुंकार भरते हुए स्पष्ट किया कि आगामी विधानसभा चुनाव केवल सत्ता का परिवर्तन नहीं, बल्कि राज्य की जनता के लिए टीएमसी के भय बनाम भाजपा के भरोसे की निर्णायक लड़ाई है। विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए अपने दो दिवसीय बंगाल प्रवास के अंतिम दिन नवद्वीप जोन की संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए नबीन ने दावा किया कि इस बार बंगाल में कमल का खिलना सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि चार मई को चुनाव परिणामों के साथ पूरा राज्य भगवा होली मनाएगा। दावा किया कि यह जीत सभी पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा प्रहार करते हुए नबीन ने कहा

कि वर्तमान सरकार ने बंगाल को अराजकता के दलदल में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार का अर्थ है-घर जल जाने का डर, रोजगार छिन जाने का भय, संसाधनों पर अतिक्रमण और बहन-बेटियों की अस्मत पर खतरा। आज बंगाल का आम मानुष मकान बनाने से लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने तक कटमनी और तोलाबाजी (कमीशन व रंगदारी) के साये में जी रहा है। उन्होंने वर्तमान शासन को भाईपो (भतीजा) कट की सरकार करार देते हुए कहा कि यहां युवाओं का भविष्य अंधकारमय है और वे पलायन के लिए मजबूर हैं। नबीन ने कहा कि बंगाल के लोग टीएमसी सरकार के भ्रष्टाचार, वसूली, भय और अराजकता के माहौल से मुक्ति चाहते हैं। भाजपा ही सुरक्षा, रोजगार और सम्मान सुनिश्चित कर सकती है।

तुष्टीकरण और आंतरिक सुरक्षा पर घेरा

नबीन ने राज्य की जनसांख्यिकीय स्थिति और आंतरिक सुरक्षा को लेकर भी घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि जब केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा के लिए फेंसिंग हेतु जमीन मांगती है, तो राज्य सरकार बाधाएं खड़ी करती है, लेकिन घुसपैठियों को बसाने के लिए तुरंत जमीन उपलब्ध करा दी जाती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह बंगाल का दुर्भाग्य है कि यहां सार्वजनिक नमाज की अनुमति तो आसानी से मिल जाती है, लेकिन मां की पूजा के आयोजन के लिए पंडाल लगाने हेतु हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। नबीन ने कहाकि जो दल संसद में वंदे मातरम पर चर्चा का विरोध करते हैं, वे बंगाल के गौरव को कभी सुरक्षित नहीं रख सकते।

चार जोड़ी ट्रेनों का बरकाकाना स्टेशन के स्थान पर राँची रोड स्टेशन में अस्थाई ठहराव

शुद्धिपत्र

चार जोड़ी ट्रेनों के बरकाकाना स्टेशन के स्थान पर 3 महीने के लिए अस्थाई तौर पर राँची रोड स्टेशन में ठहरने के संबंध में पूर्व प्रकाशित ऊपर शीर्षांकित विज्ञापन के संदर्भ में, यह उल्लेख किया जाता है कि **13025 हावड़ा-भोपाल साप्ताहिक एक्सप्रेस** "दिनांक 26.05.2026 से" के स्थान पर **"दिनांक 25.05.2026 से"** राँची रोड स्टेशन में अस्थाई रूप से ठहरेगी। अन्य सभी निर्देशावलियां अपरिवर्तित रहेंगी।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना क्रमांक: ई-निविदा/2026/10, दिनांक: 24.03.2026, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी), दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर-721301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मदों के सामने उल्लिखित तिथि को **15.00 बजे से पूर्व** ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जो **15.30 बजे खोली जाएंगी: क्रम सं.1, निविदा सं.: ई-केजीपी-साउथ-08-2026, कार्य का विवरण:** वरिष्ठ डीईएन (साउथ)/खड़गपुर के अंतर्गत खड़गपुर-भद्रक, रूपसा जंक्शन-बांगरीपोसी और बालेश्वर-गोपीनाथपुर नीलगिरि खंड में ट्रैक पर विभिन्न प्रकार के इंजीनियरिंग बोर्ड का मानकीकरण, **निविदा मूल्य:** रु.2,43,63,061.24, **बयाना राशि:** रु.2,71,800/-, **क्रम सं.2, निविदा सं.: ई-केजीपी-साउथ-09-2026, कार्य का विवरण:** वरिष्ठ डीईएन (साउथ)/खड़गपुर के अंतर्गत खड़गपुर-भद्रक खंड में पुल संख्या 215 अप एवं डाउन और पुल संख्या 263 अप एवं डाउन की रिवर बेड मैपिंग (तीसरा आमंत्रण), **निविदा मूल्य:** रु.12,20,482.40, **बयाना राशि:** रु. 24,400/-, **क्रम सं.3, निविदा सं.: ई-केजीपी-ईस्ट-10-2026, कार्य का विवरण:** वरिष्ठ डीईएन/ईस्ट/खड़गपुर के कार्यक्षेत्र में डीईएन/ईस्ट/खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र में निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन: 1) पांशकुड़ा में एडीएसटीई/पीकेयू के कार्यालय का निर्माण। 2) पांशकुड़ा: पांशकुड़ा में एएसटीई के टाइप IV क्वार्टर का निर्माण, **निविदा मूल्य:** रु.1,43,21,549.65, **बयाना राशि:** रु. 2,21,600/-, **क्रम सं.4, निविदा सं.: ई-केजीपी-ईस्ट-13-2026, कार्य का विवरण:** एडीईएन/शालीमार के अंतर्गत ओवर रन लाइन, डेड एंड (9 अदद) और सैंड हम्प (10 अदद) का सुधार एवं मानकीकरण, **निविदा मूल्य:** रु. 1,56,74,669.33, **बयाना राशि:** रु.2,28,400/-, **क्रम सं.5, निविदा सं.: ई-केजीपी-ईस्ट-14-2026, कार्य का विवरण:** डीईएन/ईस्ट/खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र में मेन लाइनों के बीच प्रीकास्ट सेंट्रल ड्रेन का निर्माण, **निविदा मूल्य:** रु. 2,36,70,661.60, **बयाना राशि:** रु. 2,68,400/-, **क्रम सं.6, निविदा सं.: ई-केजीपी-ईस्ट-16-2026, कार्य का विवरण:** वरिष्ठ डीईएन/ईस्ट/खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र में 2 लूप लाइनों वाले ब्लॉक स्टेशन में टंकी (पीएच) का परिवर्तन, **निविदा मूल्य:** रु.9,01,91,240.40, **बयाना राशि:** रु. 6,01,000/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00 (क्रम सं. 1 से 6 प्रत्येक हेतु), **खुलने की तिथि:** 02.04.2026 (क्रम सं. 1 हेतु), 09.04.2026 (क्रम सं. 2, 3, 4 एवं 5 प्रत्येक हेतु) और 14.04.2026 (क्रम सं. 6 हेतु)। **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह प्रत्येक हेतु। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** क्रम सं.1 हेतु: 19.03.2026 से 02.04.2026 को 15.00 बजे तक, क्रम सं. 2, 3, 4 एवं 5 हेतु:26.03.2026 से 09.04.2026 को 15.00 बजे तक, क्रम सं. 6 हेतु:31.03.2026 से 14.04.2026 को 15.00 बजे तक। इच्छुक निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी परिस्थिति में इन कार्यों के लिए मैनुअल निविदाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा। **द्रष्टव्य:** प्रत्याशित बोलीदाता सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं। **(PR-1343)**

ड्यूटी के दौरान इफ्तार कार्यक्रम में शामिल होने पर मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बल के सात जवानों पर कार्रवाई

मुर्शिदाबाद/कोलकाता : निर्वाचन आयोग ने मुर्शिदाबाद जिले में चुनाव ड्यूटी पर तैनात अर्धसैनिक बलों के सात कर्मियों के खिलाफ इफ्तार कार्यक्रम में शामिल होने के आरोप में अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि इनमें से दो कर्मियों को केंद्रीय बलों की हिरासत में रखा गया है, जबकि शेष पांच को राज्य से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह घटना लगभग एक सप्ताह पहले रमजान के महीने के दौरान हुई थी, जब कथित तौर पर संबंधित कर्मी मुर्शिदाबाद के निमतिता में एक इफ्तार पार्टी में शामिल हुए थे। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि आयोग ने इस घटना का संज्ञान लिया। चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को सामाजिक समारोहों में शामिल होने या स्थानीय व्यक्तियों से किसी भी प्रकार का आतिथ्य सत्कार स्वीकार करने की अनुमति नहीं है। खबरों के मुताबिक, इफ्तार का आयोजन एक स्थानीय पंचायत प्रधान के पति ने किया था और इस आयोजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आयी थीं, जिससे निर्वाचन आयोग का ध्यान इस ओर आकर्षित हुआ। हालांकि, संबंधित कर्मियों ने आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया कि इफ्तार का आयोजन बीएसएफ शिविर के अंदर किया गया था और वहां स्थानीय प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। अधिकारी ने कहा कि मामला हमारे संज्ञान में आने के बाद विभागीय जांच शुरू की गई। जांच के निष्कर्षों के आधार पर अर्धसैनिक बल के नियमों के अनुसार कार्रवाई की गई है। आयोग ने कहा कि चुनाव संबंधी कार्यों के लिए तैनात केंद्रीय बलों को तटस्थता बनाए रखनी चाहिए और स्थानीय हितधारकों से दूरी बनाए रखनी चाहिए। अधिकारी ने कहा कि तैनाती क्षेत्र में वे किसी भी सामाजिक या सामुदायिक कार्यक्रम में भाग नहीं ले सकते। किसी भी प्रकार के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि आयोग इस बात पर कड़ी नजर रख रहा है कि बलों का सही ढंग से उपयोग किया जा रहा है या नहीं, उनके मार्ग मार्च कैसे हो रहे हैं और जमीनी स्तर पर उनका आपसी तालमेल कैसा है।

'निष्पक्ष चुनाव के लिए हमारे पास अधिकारियों के तबादले का अधिकार है', आयोग ने अदालत से कहा

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय को बताया कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए अधिकारियों का तबादला और तैनाती करना उसके अधिकार क्षेत्र में है। विधानसभा चुनावों की घोषणा के तुरंत बाद निर्वाचन आयोग द्वारा कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष दलीलें देते हुए आयोग के वकील ने कहा कि याचिका की मंशा ठीक नहीं प्रतीत होती है, और इसे जनहित याचिका के रूप में नहीं माना जा सकता है। आयोग की ओर से पेश हुए वरिष्ठ

वकील डी एस नायडू ने अदालत के समक्ष दलील दी कि आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के संचालन में बाधा डालने वाली किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति या आपात स्थिति से निपटने के लिए विशिष्ट शक्तियां दी गई हैं। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने कहा कि निर्वाचन आयोग की पूर्ण शक्तियों को लेकर कोई प्रश्न नहीं हैं, बल्कि सवाल संविधान के अनुच्छेद 327 के तहत अधिनियमित किसी भी कानून या उपनियम से संबंधित है। संविधान का अनुच्छेद 327 संसद को संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) और राज्य विधानसभाओं (विधानसभा और विधान परिषद) के चुनावों के संबंध में कानून बनाने का अधिकार देता है। बनर्जी ने खंडपीठ के समक्ष दावा किया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना आयोग का कर्तव्य है, लेकिन संवैधानिक निकाय ''मनमानी और अपारदर्शी'' तरीके से काम कर रहा है। अदालत ने सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी है, जिस दिन इस पर फिर से सुनवाई होगी।

रामनवमी पर राज्य में इस बार निकलेगी 5,000 से ज्यादा शोभायात्राएं

शांति और सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर, भारी वाहनों की एंट्री पर रहेगी रोक

कोलकाता, समाज्ञा : चुनावी माहौल के बीच रामनवमी के अवसर पर बंगाल में इस बार भव्य तैयारियां की गई हैं। राज्यभर में 5,000 से अधिक शोभायात्राएं आयोजित करने की तैयारी है, जिसे देखते हुए पुलिस- प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। खासतौर पर, कोलकाता में सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं, ताकि यह पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। कोलकाता के नवनियुक्त पुलिस आयुक्त (सीपी) अजय कुमार नंद ने रामनवमी के जुलूसों को ध्यान में रखते हुए शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव की घोषणा की है। उनके अनुसार, गुरुवार और शुक्रवार को पीक

आवर्स के दौरान शहर में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। हालांकि, एलपीजी, दूध और दवाइयों जैसी आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि इस बार, जुलूसों की संख्या काफी अधिक है, इसलिए ट्रैफिक नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। रामनवमी पर शहर के विभिन्न हिस्सों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी और संवेदनशील इलाकों पर अभी से खास नजर रखी जा रही है।

पुलिस आयुक्त अजय नंद ने जुलूसों में अनुशासन बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि रामनवमी के जुलूस में लोग पैदल चलते हैं। यदि कोई बाइक जुलूस में प्रवेश करती है, तो व्यवस्था बाधित होती है। इसी कारण आयोजकों को निर्देश दिया गया है कि बाइक को पार्किंग में रखें और जुलूस समाप्त होने के बाद ही उसका उपयोग करें। इस निर्देश के तहत जुलूसों में बाइक के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। आयोजकों को पहले ही इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना से बचा जा सके।

राज्यभर में आयोजित होने वाली इन हजारों शोभायात्राओं को देखते हुए स्थानीय पुलिस, प्रशासन और अन्य एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। खुफिया निगरानी भी बढ़ा दी गई है और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई दल तैयार रखे गए हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है, ताकि त्योहार को शांति, सौहार्द और उल्लास के साथ मनाया जा सके। रामनवमी के इस बड़े आयोजन को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए हर स्तर पर समन्वय के साथ काम किया जा रहा है।

www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
MATRIMONIAL • EDUCATION • OBITUARY
PROPERTY • NAME CHANGE • REMEMBRANCE
RECRUITMENT • PUBLIC NOTICE • DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
230, C. R. Ave, 3rd Floor, Kolkata-700 006, Contact : 7044444522, 7044444527

चुनावी तैयारी के बीच अटकी एसएससी भर्ती, समयसीमा को लेकर हाई कोर्ट पहुंचा आयोग

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में चुनावी तैयारियों के बीच स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर नई जटिलता सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने में संभावित बाधा को देखते हुए एसएससी ने कोलकाता हाई कोर्ट का रुख किया है। आयोग ने न्यायमूर्ति कृष्णा राव की अदालत में मामले पर सुनवाई की अपील करते हुए स्थिति से अवगत कराया।

एसएससी की ओर से अदालत को बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट ने नई नियुक्ति प्रक्रिया 31 अगस्त तक पूरी करने का निर्देश दिया है। इससे पहले यह प्रक्रिया मार्च तक समाप्त करने का आदेश था, जिसे बाद में संशोधित कर अगस्त तक बढ़ा दिया गया। हालांकि वर्तमान परिस्थितियों में आयोग के सामने कर्मचारियों की कमी बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। एसएससी के कुल 35 कर्मचारियों में से 24 कर्मचारियों को चुनाव आयोग ने चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात कर

दिया है। दूसरी ओर, स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया जारी है। आयोग का कहना है कि यदि चुनावी कार्य में लगे कर्मचारियों को वापस नहीं किया गया तो सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय समय सीमा के अंदर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करना संभव नहीं होगा। एसएससी ने यह भी दलील दी है कि उसके कर्मचारी एक स्वायत्त संस्था से जुड़े हैं और उन्हें इस तरह चुनावी कार्य के लिए लेना उचित नहीं है। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई अगले सोमवार को करने का आश्वासन दिया है।

गौरतलब है कि 2016 के पूरे भर्ती पैनल को भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण कोलकाता हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन शीर्ष अदालत ने भी हाई कोर्ट के निर्णय को बरकरार रखा। इसके बाद अयोग्य उम्मीदवारों को हटाकर नई परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया गया। उसी के तहत नई भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई और अब तक कक्षा 9–10 और 11–12 के शिक्षकों तथा शिक्षाकर्मियों की लिखित परीक्षा पूरी हो चुकी है, जबकि फिलहाल इंटरव्यू का दौर चल रहा है।

फर्जी जीएसटी फर्म का भंडाफोड़, 8.19 करोड़ के फर्जी आईटीसी घोटाले में निदेशक गिरफ्तार

हल्दिया : केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क (सीएक्स) हल्दिया आयुक्तालय के एंटी-इवेजन यूनिट के अधिकारियों ने फर्जी जीएसटी संस्थाओं के नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के माध्यम से की जा रही बड़ी कर धोखाधड़ी का खुलासा किया है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जांच के दौरान यह पाया गया कि एक फर्जी फर्म को जीएसटी के तहत धोखाधड़ी से पंजीकृत कराया गया था। यह पंजीकरण उस व्यक्ति की जानकारी के बिना उसके नाम पर प्राप्त किया गया था। जब अधिकारियों ने घोषित प्रधान व्यवसाय स्थल का सत्यापन किया,

तो वहां किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि संचालित नहीं पाई गई। आगे की जांच में जीएसटी रिटर्न और संबंधित अभिलेखों की जांच से पता चला कि उक्त फर्म ने लगभग 8.19 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) प्राप्त किया था। इसके बाद फर्म ने बिना किसी वास्तविक माल या सेवाओं की आपूर्ति किए विभिन्न कंपनियों को चालान जारी कर यह फर्जी आईटीसी आगे स्थानांतरित कर दिया। जांच के दौरान एकत्र साक्ष्यों के आधार पर कुछ व्यक्तियों की भूमिका सामने आई, जिन्होंने फर्जी जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने और इस फर्जी इकाई के संचालन में भागीदारी की। इस मामले में फर्जी फर्म के निदेशक को गिरफ्तार किया गया है। विभाग द्वारा इस मामले में आगे की जांच जारी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कर चोरी, फर्जी जीएसटी पंजीकरण तथा बिना माल या सेवाओं की आपूर्ति के चालान जारी करने जैसी गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पश्चिम बंगाल में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता : बीपीसीएल

कोलकाता, समाज्ञा : भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने पश्चिम बंगाल के नागरिकों को आश्वस्त किया है कि राज्यभर में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और घरेलू रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता है तथा इनकी आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रूप से जारी है। कंपनी के अनुसार पश्चिम बंगाल में बीपीसीएल के सभी ईंधन आउटलेट, सीएनजी स्टेशन और घरेलू रसोई गैस डिस्ट्रीब्यूटरशिप सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं और उपभोक्ताओं की ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया कि उसकी सप्लाई चेन मजबूत और कुशल बनी हुई है, जिससे ईंधन और गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। बीपीसीएल ने लोगों से अपील की है कि घबराकर अनावश्यक रूप से अधिक खरीदारी करने की आवश्यकता नहीं है और सभी ग्राहक शांत रहें। कंपनी ने कहा कि वह ऊर्जा की सुलभता और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राममंदिर में राम जन्मोत्सव 27 मार्च को

कोलकाता, समाज्ञा : सेठ सूरजमल जालान स्मृति भवन (चित्तरंजन एवेन्यू) स्थित राम मंदिर प्रांगण में रामनवमी व राम जन्मोत्सव भगवताचार्य पं. श्रीकांत शर्मा 'बालव्यास' के सान्निध्य में 27 मार्च को रामनवमी व राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। 27मार्च को सवेरे 9 बजे राम जन्मोत्सव के श्रृंगार के लिए मंदिर का पट बंद हो जाएगा, जो पुनः भगवान राम की दिव्य झांकी के दर्शनार्थ मध्याह्न 11.30 बजे खुलेगा। इसके बाद, भगवान राम की आरती होगी और महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। इस मौके पर 19 मार्च से प्रारम्भ श्री रामचरितमानस नवाह्नपारायण महोत्सव की पूर्णाहुति 28 मार्च को सवेरे 8 - 9 के बीच होगी। इसकी सूचना संस्था के ट्रस्टी भरत कुमार जालान ने दी है।

न्यूईन ग्रीन एनर्जी को नुमालीगढ़ रिफाइनरी से 10 केटीपीए ग्रीन हाइड्रोजन आपूर्ति का अनुबंध

कोलकाता, समाज्ञा : न्यूईन ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (बीपीसीएल-सेम्बकॉर्प संयुक्त उपक्रम) को नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड से प्रतिवर्ष 10,000 टन ग्रीन हाइड्रोजन आपूर्ति का अनुबंध मिला है। असम स्थित रिफाइनरी परिसर में उत्पादन संयंत्र स्थापित होगा, जिसका संचालन 2028 तक शुरू होने की उम्मीद है। संजय खन्ना ने इसे स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम बताया। विपुल तुली ने कहा कि यह परियोजना भारत की ग्रीन हाइड्रोजन महत्वाकांक्षा को मजबूत करेगी। न्यूईन के चेयरमैन शेली अब्राहम ने कहा कि इंडस्ट्री की क्षमता और सेम्बकॉर्प के वैश्विक अनुभव से औद्योगिक डी-कार्बोनाइजेशन को बढ़ावा मिलेगा।

मालदह से आग्नेयास्त्र के साथ पांच गिरफ्तार

मालदह : विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शांतिपूर्ण और हिंसा मुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में, बुधवार को मालदह के चांचल थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच

अंतरराज्यीय हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तीन अवैध आग्नेयास्त्र बरामद किए गए हैं। मालदह के जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनुपम सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस घटना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बंगाल–बिहार सीमा पर स्थित नारकुटिया इलाके में पुलिस ने विशेष नाका चेकिंग अभियान चला रखा है। मंगलवार की रात चेकिंग के दौरान बिहार की ओर से आ रहे पांच संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस ने रोका। तलाशी लेने पर इनके पास से एक सेवेन एम. एम पिस्तौल, दो देसी पाइपगन बरामद हुईं। गिरफ्तार सभी बिहार के निवासी हैं। उनके नाम शुकदेव साहा, अमित कुमार साहा, गणेश महालदार, मोहम्मद रियाजुल और मोहम्मद रमन है। प्राथमिक जांच में पुलिस को पता चला है कि ये आरोपी इन हथियारों को मालदह और आसपास के इलाकों में बेचने के इरादे से ला रहे थे।

बागुईआटी में बेटे ने मां का गला घोंटकर हत्या की, आभूषण लेकर फरार

कोलकाता, समाज्ञा : बागुईआटी इलाके में एक युवक पर अपनी मां की गला घोंटकर हत्या करने का सनसनीखेज आरोप लगा है। घटना के बाद आरोपित घर का दरवाजा बाहर से बंद कर आभूषण लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार, रंजीत चक्रवर्ती और उनकी पत्नी रूमा चक्रवर्ती बागुईआटी के जगतपुर क्षेत्र में कठपोल के पास एक किराए के भूतल फ्लैट में रहते थे। वे लगभग छह महीने पहले ही इस मकान में रहने आए थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मंगलवार को रूमा के पहले विवाह से पुत्र रुद्रदीप अपनी मां से मिलने आया था और वहीं रुका हुआ था। बताया जा रहा है कि मां के पुनर्विवाह को लेकर दोनों के बीच तीखी कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि हाथापाई की नौबत आ गई। आरोप है कि गुस्से में आकर रुद्रदीप ने दुपट्टे से अपनी मां का गला घोंट दिया। इसके बाद, वह घर में रखे सोने के आभूषण लेकर दरवाजा बंद कर फरार हो गया। देर रात जब रूमा के पति रंजीत चक्रवर्ती घर लौटे तो उन्होंने दरवाजा बाहर से बंद पाया। उन्होंने पहले रिश्तेदारों से संपर्क कर पत्नी के बारे में जानकारी ली, लेकिन कोई सूचना नहीं मिलने पर मकान मालिक की मदद से अतिरिक्त चाबी लेकर घर का दरवाजा खोला। अंदर प्रवेश करने पर रूमा का शव बिस्तर पर पड़ा मिला और उनके गले में दुपट्टा कसकर बंधा हुआ था। घटना की सूचना बागुईआटी थाने को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य तथा न्यायिक जांच से जुड़े नमूने एकत्र किए। शव को बुधवार की सुबह आरजी कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल भेजा गया, जहां शव परीक्षण कराया जाएगा। महिला के पति की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपित की तलाश में छापेमारी कर रही है। स्थानीय लोगों से पूछताछ में यह भी सामने आया है कि आरोपित नशे का आदी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हत्या का कारण केवल पारिवारिक विवाद था या इसके पीछे धन संबंधी कोई अन्य विवाद भी था। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

लायंस क्लब कोलकाता सॉल्टलेक ने दो दिवसीय मल्टी मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप का किया सफल आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : लायंस क्लब कोलकाता सॉल्टलेक ने रहरा भवनाथ इंस्टिट्यूट फॉर गर्ल्स, खड़दह में दो दिवसीय मल्टी मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस सेवा परियोजना के अंतर्गत लगभग 950 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस कैंप में जनरल हेल्थ चेकअप, वजन, ऊंचाई, नेत्र जांच, बेसिक मेडिकल जांच सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। इसका उद्देश्य बालिकाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्रारंभिक स्तर पर स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के भूतपूर्व छात्र देवदीप पुरोहित ने किया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष लायन शशि खत्री, सचिव कुणाल चोपड़ा, पूर्व अध्यक्ष दिलीप अरोड़ा, डॉ. राजाराम तथा पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन महेंद्र जैन सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। आई टेस्टिंग के दौरान 83 छात्राओं में दृष्टि संबंधी समस्या पाई गई, जिनके लिए निःशुल्क चश्मा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। क्लब के सदस्य शीघ्र ही इन छात्राओं के लिए चश्मे बनवाकर वितरित करेंगे। क्लब के अध्यक्ष शशि खत्री ने बताया कि भविष्य में भी स्कूल की छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की अन्य उपयोगी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। स्कूल की प्रिंसिपल चंद्रप्रमिता बसु और अध्यक्ष शंपा चौधरी के नेतृत्व में स्कूल प्रबंधन ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग दिया।

पूर्व रेलवे के बी. आर. सिंह अस्पताल में जटिल हृदय रोग का सफल इलाज

कोलकाता, समाज्ञा : मरीजों के बेहतर इलाज और कल्याण की दिशा में पूर्व रेलवे के बी. आर. सिंह अस्पताल के उन्नत हृदय केंद्र ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग ने 48 वर्षीय एक मरीज का जटिल हृदय रोग एंजियोप्लास्टी के माध्यम से सफलतापूर्वक उपचार कर नई

उपलब्धि दर्ज की है। जानकारी के अनुसार मरीज दोहरी धमनी कोरोनरी आर्टरी रोग से पीड़ित था, जिसमें बाईं अग्र अवरोही (एलएडी) धमनी का पूर्ण अवरोध शामिल था। एंजियोग्राफिक जांच के आधार पर ऐसे मामलों में सामान्यतः कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) की सलाह दी जाती है। हालांकि, मरीज की अपेक्षाकृत कम उम्र तथा मरीज और उसके परिवार द्वारा सीएबीजी कराने से इनकार करने के बाद चिकित्सा दल ने सावधानीपूर्वक योजना बनाकर एंजियोप्लास्टी का विकल्प चुना। डॉक्टरों की टीम ने एलएडी आर्टरी की सफल एंजियोप्लास्टी कर रक्त प्रवाह को सामान्य रूप से बहाल कर दिया। उपचार के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और उसे प्रक्रिया के तीसरे दिन ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। बताया गया कि मरीज 10 से 14 दिनों के अंदर अपने कार्य पर लौट सकता है, जबकि सामान्यतः सीएबीजी सर्जरी के बाद लगभग तीन महीने का समय लग सकता था। मरीज और उसके परिजनों ने बी. आर. सिंह अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग द्वारा प्रदान की गई उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया। यह सफलता पूर्व रेलवे की चिकित्सा टीम की विशेषज्ञता और मरीज-केंद्रित उपचार प्रणाली को दर्शाती है।

आसनसोल में 34 ग्राम ब्राउन शुगर एवं 1.5 लाख रुपए के साथ तीन गिरफ्तार

आसनसोल : आसनसोल दक्षिण थाना क्षेत्र अंतर्गत गिरजा मोड़ इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान आरोपितों के पास से करीब 34 ग्राम ब्राउन शुगर और 1.5 लाख नकद बरामद किए गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। जिसमें मौके पर नारकोटिक्स विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। पुलिस ने संदिग्ध गतिविधि के आधार पर एक टोटो को रोका, जिसमें सवार तीन लोगों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मादक पदार्थ और नकदी बरामद होने के बाद तीनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि सभी आरोपित रेलपार क्षेत्र के निवासी हैं। टोटो चालक से पूछताछ में उसने बताया कि वह रेलपार आलम नगर निवासी मो. नवाब को छोड़ने जा रहा था। चालक के अनुसार, नवाब ने उसे बताया था कि उसकी तबीयत खराब है और उसे आलम नगर पहुंचाना है। हालांकि, नारकोटिक्स विभाग अधिकारियों को पहले से मिली श सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी आरोपितों को रंगे हाथ पकड़ लिया। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

चिंगड़िघाटा मेट्रो प्रोजेक्ट पर सुप्रीम कोर्ट से झटका. केस दोबारा हाई कोर्ट लौटा

कोलकाता, समाज्ञा : चिंगड़िघाटा मेट्रो परियोजना को लेकर राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोलकाता हाई कोर्ट के निर्देश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन वहां से कोई राहत नहीं मिली। शीर्ष अदालत ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए इसे दोबारा कोलकाता हाई कोर्ट को भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद याचिकाकर्ता पक्ष ने मामले की जल्द सुनवाई की मांग करते हुए कोलकाता हाई कोर्ट में आवेदन दायर किया। इस आवेदन पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की डिवीजन बेंच ने मामले को स्वीकार कर लिया। अदालत ने कहा कि इस मामले की सुनवाई सोमवार को की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने के बाद अब सभी की नजरें कोलकाता हाई कोर्ट में होने वाली आगामी सुनवाई पर टिकी हैं।

एएससीआई स्टडी: कंटेंट और कॉमर्स की मिली-जुली डिजिटल दुनिया में जी रही है 'जेन अल्फा'

कोलकाता, समाज्ञा : एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) एकेडमी की नई स्टडी के अनुसार जेनरेशन अल्फा ऐसी डिजिटल दुनिया में बड़ी हो रही है, जहां मनोरंजन, विज्ञापन और पहचान के बीच की सीमाएं तेजी से धुंधली हो रही हैं। 'व्हाट द सिग्मा?' नामक यह अध्ययन फ्यूचरब्राण्ड्स कंसल्टिंग के साथ मिलकर किया गया, जिसमें 7 से 15 वर्ष के बच्चों के डिजिटल व्यवहार और मीडिया उपभोग का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 7–12 वर्ष के बच्चे सीधे दिखने वाले विज्ञापनों को पहचान लेते हैं, लेकिन उनमें छिपे व्यावसायिक संदेशों को समझ नहीं पाते, जबकि 13–15 वर्ष के बच्चे अपेक्षाकृत अधिक जागरूक होने के बावजूद कहानी आधारित ब्रांडिंग से प्रभावित हो जाते हैं। एएससीआई की सीईओ और सेक्रेटरी जनरल मनीषा कपूर ने कहा कि यह अध्ययन जेनरेशन अल्फा की डिजिटल जीवनशैली को समझने की एक कोशिश है, ताकि बच्चों तक पहुंचने वाले विज्ञापनों और कंटेंट को अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए प्लेटफॉर्म, क्रिएटर्स, विज्ञापनदाताओं, स्कूलों और अभिभावकों की साझा जिम्मेदारी जरूरी है।

चेतक स्क्रीन अवार्ड्स 2026 के लिए नामांकन घोषित. 'धुरंधर' 24 नॉमिनेशन के साथ सबसे आगे

कोलकाता, समाज्ञा : द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप की 'स्क्रीन एकेडमी' ने 5 अप्रैल को आयोजित होने वाले चेतक स्क्रीन अवार्ड्स 2026 के लिए सभी 31 श्रेणियों में नामांकन की घोषणा कर दी है। यह अवार्ड समारोह वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्मों और ओटीटी कंटेंट को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जाएगा। नामांकन सूची में आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर 'धुरंधर' 24 नॉमिनेशन के साथ सबसे आगे है, जबकि मोहित सूरी की 'सैयारा' को 17 और नीरज घेवान की 'होमबाउंड' को 15 श्रेणियों में नामांकन मिला है। इन पुरस्कारों में थिएटर और ओटीटी दोनों प्लेटफॉर्म्स की फिल्मों को शामिल किया गया है। स्क्रीन अवार्ड्स की शुरुआत 1995 में हुई थी और यह अपनी निष्पक्ष एवं योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया के लिए जाना जाता है। इस वर्ष एकेडमी के 95 प्रतिशत से अधिक सदस्यों ने मतदान में भाग लिया। डिजिटल-फर्स्ट पहल के तहत इस बार समारोह का सीधा प्रसारण यूट्यूब पर मुफ्त किया जाएगा, जबकि सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर भी इसका प्रसारण होगा।

भारत जागरण परिषद ने रामनवमी पर उत्तर हावड़ा में निकाली भव्य शोभा यात्रा

हावड़ा, समाज्ञा : रामनवमी के अवसर पर उत्तर हावड़ा में भारत जागरण परिषद की ओर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभा यात्रा रामसीता मंदिर से शुरू होकर सल्किया, बांधाघाट और नयामंदिर होते हुए पुनः राम मंदिर पहुंचकर आरती के साथ संपन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूरे मार्ग में भगवान राम के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर उत्तर हावड़ा भाजपा मंडल–2 के सचिव रितेश खटेड़, युवा मोर्चा के विशाल जायसवाल, मंडल–1 के रवि गुप्ता तथा मंडल–2 के प्रशांत सहित कई लोग मौजूद रहे। शोभा यात्रा के आयोजन में अंकित कोठारी, सोनू पासवान, अरिंदम, कृष्णपाद देय और अभिषेक राय समेत पूरी टीम की सक्रिय भूमिका रही।

श्री सालासर बालाजी सेवक वृंद का 34वां श्री हनुमान जन्मोत्सव 2 अप्रैल को

हावड़ा, समाज्ञा : श्री सालासर बालाजी सेवक वृंद, बांधाघाट द्वारा चैत्र शुक्ल पूर्णिमा पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले श्री हनुमान जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई है। इस वर्ष यह महोत्सव आगामी गुरुवार, 2 अप्रैल को अनुष्ठित होगा। संस्थापक मोतीलाल भुवालका व मुख्य संरक्षक प्रदीप गुप्ता के मुताबिक, संस्था द्वारा लगातार 34वें वर्ष हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर राजस्थान के विश्व वंदनीय देवता श्री सालासर बालाजी महाराज का दरबार सजाया जा रहा है। श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम के वातानुकूलित सभागार में भागवत मर्मज्ञ पं. मालीराम शास्त्री के पावन सान्निध्य में प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक चलने वाले इस महोत्सव में श्री सालासर दरबार की झांकी के समक्ष अखण्ड ज्योति, छप्पन भोग, सामूहिक सुंदरकांड पाठ

व संगीतमय भजन-कीर्तन का भव्य विराट आयोजन होगा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण सामूहिक सुंदरकांड का पाठ होगा जिसमें श्रद्धालु जय श्री श्याम सेवा संघ व राम अवतार अग्रवाल के साथ सस्वर पाठ करेंगे। महोत्सव में आयोजित भजन संध्या में भजनामृत वर्षा हेतु रवि शर्मा सूरज, करिश्मा चावला, तुषार चौधरी, सौरभ शर्मा केशु, दलजीत-गुरप्रीत सिंह, रानी कौर, सच्चिदानन्द पारीक, योगेश शर्मा व विशेष रूप से आमंत्रित बम बासुकी ग्रुप (सलकिया) सरीखे भजन प्रवाहक भजनों से बालाजी को रिझायेंगे। आयोजन के मुख्य संयोजक संदीप गुप्ता (सोनू) ने बताया कि इस महोत्सव का उद्घाटन अनमोल ग्रुप के दिलीप चौधरी, घुसुड़ीधाम मंदिर के प्रबंध न्यासी बिनोद टिबड़ेवाल, नवल सुल्तानिया, सुरेन्द्र अग्रवाल, गोपाल भवन बांधाघाट के प्रधान सचिव संतोष ढांढनिया, समाजसेवी राजकुमार शर्मा, प्रेम मिलन कोलकाता के चेयरमैन चंद्रकांत सराफ, महेंद्र अग्रवाल, संजय हरलालका सहित अनेक गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति में धर्मनिष्ठ उद्योगपति व समाजसेवी बिजय-सरला गुजरवासिया करेंगे।

विक्रम संवत् नववर्ष 2083 का स्वागत, सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों की शानदार प्रस्तुतियां

कोलकाता, समाज्ञा : विक्रम संवत् नववर्ष महोत्सव समिति द्वारा नववर्ष 2083 के स्वागत के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घान गुरुकुल के विद्यार्थियों तथा उपस्थित बालक-बालिकाओं द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मंच पर गणमान्य अतिथियों में विनोद सुल्तानिया, डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, आचार्य योगेश शास्त्री, महेंद्र जैन, गोविंद जैथलिया एवं नारायण प्रसाद चौधरी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अपने करकमलों से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके साथ ही महाराजा विक्रमादित्य के चित्र पर विशिष्ट जनों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान प्रदीप अग्रवाल एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा नृत्य-नाटिका की आकर्षक प्रस्तुति दी गई तथा

गीत गायन से वातावरण भक्तिमय हो गया।

समिति के संयोजक नारायण प्रसाद चौधरी ने अपने संबोधन में नववर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सृष्टि की रचना के समय जब सूर्य की पहली किरण पृथ्वी पर पड़ी, उस दिन कालगणना के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा थी। इसी कारण इस दिन को भारतीय नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने महाराजा विक्रमादित्य के जीवन एवं उनके योगदान पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा वेद मंत्रों का गायन किया गया, वहीं अन्य बालक-बालिकाओं ने मंत्रोच्चारण एवं भजन प्रस्तुत किए। 3 से 8 वर्ष तक के नन्हे बच्चों द्वारा संस्कृत मंत्रोच्चारण और स्तुति गायन ने सभी को प्रभावित किया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि नई पीढ़ी में आज भी सनातन धर्म के संस्कार जीवित हैं। नई पीढ़ी में सनातन संस्कारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में सभी भाग लेने वाले बालक-बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में धर्म और संस्कृति से जुड़े आयोजनों में नई पीढ़ी को जोड़ना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान समिति की ओर से अरविंद बियानी का वर्षों के योगदान को सराहा गया तथा कहा गया कि उनकी कमी समिति में कभी पूरी नहीं हो सकेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरुण बियानी, चन्दन लोहिया, काशी प्रसाद डेलिया, कुंज बिहारी गुप्ता, प्रेम कुमार सेठिया, राकेश पारीक, नवीन तुलस्यान, बालकिशन झुनझुनवाला, ललित बजाज, श्यामसुन्दर मालपानी, केशव दारुका, बसंत नांगलिया, सुभाष कुल्थिया, विजय भूत का विशेष योगदान रहा। वैद्य लक्ष्मण व्यास, महेश शर्मा (पार्षद), रमेश अग्रवाल, देवकीनन्दन तोदी, नरेश मेहरा, संजय स्वर्णकार, हीरालाल झंवर, घनश्याम बंग, आदित्य विक्रम केजरीवाल, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के विशेष आकर्षण नन्हे बच्चे वर्णिका चौधरी, श्रीवत्स चौधरी, मृदुल लोहिया, विहान भगत, आराध्या भगत, दिव्यांश नांगलिया, वियाना खेतान, वर्णिका केडिया, भव्या खेतान, आश्वी फोगला, दीत्या पारीक, कृष्णा मुसद्दी, दिवीत सिंघी, चेतन भूतोड़िया, आर्य सिन्हा, नितांगी केडिया, लता सिंघी, रुही अग्रवाल एवं लाशिका बजाज ने अद्भुत प्रस्तुति दी।

सिर्फ 5 रुपये में सफर, फिर भी बिना टिकट यात्रा पर पूर्व रेलवे ने जताई चिंता

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने यात्रियों से जिम्मेदार नागरिक होने का आह्वान करते हुए गरिमा के साथ यात्रा का संदेश दिया है और लोगों से अपील की है कि वे हमेशा टिकट लेकर ही यात्रा करें। रेल यात्रा आज भी देश का सबसे किफायती परिवहन माध्यम है और बेहद कम किराए में लंबी दूरी तय करने की सुविधा प्रदान करती है। सियालदह से खड़दह (19 किमी) तक की यात्रा का किराया केवल 5 रुपये है, जबकि सियालदह से नैहाटी (38 किमी) या हावड़ा से बंडेल (40 किमी) तक की यात्रा महज 10 रुपये में की जा सकती है। इतनी कम दरों पर इतनी दूरी तय करने की सुविधा किसी अन्य परिवहन साधन में उपलब्ध नहीं है। प्रशासन का कहना है कि बिना टिकट यात्रा करना केवल नियमों का उल्लंघन ही नहीं, बल्कि यात्री के आत्मसम्मान के खिलाफ भी है। इसलिए यात्रियों को टिकट लेकर यात्रा करने की आदत अपनानी चाहिए।

पूर्व रेलवे ने यह भी बताया कि नियमित यात्रियों के लिए मासिक सीजन टिकट (एमएसटी) की सुविधा उपलब्ध है, जिससे यात्रियों को और अधिक राहत मिलती है। सियालदह–नैहाटी या हावड़ा–बंडेल खंड के लिए मासिक सीजन टिकट की कीमत केवल 185 रुपये है, जिससे पूरे महीने असीमित यात्रा की जा सकती है। वहीं, यदि कोई यात्री बिना टिकट पकड़ा जाता है तो उसे कम से कम 260 रुपये का जुर्माना देना पड़ता है। इस प्रकार एक महीने की वैध यात्रा की लागत भी एक बार बिना टिकट पकड़े जाने के जुर्माने से कम है। इसके अलावा विभिन्न स्टेशनों पर ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) भी लगाई गई हैं, जिससे लंबी कतारों से बचते हुए आसानी से टिकट प्राप्त किया जा सकता है।

इसके बावजूद पिछले तीन महीनों में पूर्व रेलवे ने बिना टिकट यात्रा के 3,30,451 मामलों में जुर्माना वसूला है, जो चिंता का विषय है। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवराम माझी ने कहा कि रेलवे सस्ती, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन इसके लिए यात्रियों का सहयोग जरूरी है।

मतदाता सूची से 79 लाख 'फर्जी' नाम हटाए गए, भाजपा 177 से अधिक सीट जीतेगी : शुभेंदु अधिकारी

पूर्व मेदिनीपुर : भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को दावा किया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान राज्य की मतदाता सूची से लगभग 79 लाख 'फर्जी नाम हटा दिए गए हैं और इस बात पर जोर दिया कि इससे भाजपा को अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में 177 से अधिक सीट हासिल करने में मदद मिलेगी। इस दिन, शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मेदिनीपुर जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सत्ता में बने रहने के लिए हमेशा फर्जी मतदाताओं पर निर्भर रही है और जारी पुनरीक्षण प्रक्रिया ऐसे नामों को हटाने के लिए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इससे भाजपा को चुनाव जीतने में मदद मिलेगी। भाजपा नेता ने हटाए गए नामों का वर्णन करने के लिए कई उपमाओं का प्रयोग करते हुए कहा कि नाश्ते के समय 58 लाख नाम हटाए गए, दोपहर के भोजन के समय सात लाख नाम हटाए गए और शाम की चाय के दौरान 14 लाख और नाम हटा दिए गए। रात का खाना अभी परोसा जाना बाकी है। शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि सोमवार को प्रकाशित पहली पूरक मतदाता सूची में जिन 32 लाख मतदाताओं की पड़ताल की गई थी, उनमें से 14 लाख नाम हटा दिए गए थे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से अब तक 79 लाख नाम हटाए जा चुके हैं।'' उन्होंने दावा किया कि ''इन फर्जी मतदाताओं में से 90 प्रतिशत तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में वोट डालते थे। भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पुनरीक्षण प्रक्रिया का विरोध कर रही थीं और इसे रोकने के लिए उन्होंने भारत के उच्चतम न्यायालय का रुख किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर कवायद पहले भी कई बार की जा चुकी है, लेकिन इस बार सत्ताधारी पार्टी ने इसका विरोध किया। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बांग्लादेश से आए अवैध मुस्लिम घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही हैं, जो तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक रहे हैं। उन्होंने राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का भी उल्लेख किया और दावा किया कि राज्य में हिंदू आबादी 1951 की जनगणना में 85 प्रतिशत से घटकर आज 65 प्रतिशत से भी कम हो गई है। चुनाव में भाजपा की संभावनाओं पर विश्वास जताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में पार्टी की बढ़त उल्लेखनीय रही है। उन्होंने याद दिलाया कि 2016 में भाजपा की तीन सीट थीं, जो 2021 के विधानसभा चुनाव में बढ़कर 77 हो गईं। उन्होंने कहा कि इस बार कम से कम 177 सीट होंगी; चार मई की दोपहर (जब चुनाव परिणाम घोषित होंगे) तक यह आंकड़ा कहां तक पहुंचता है, यह हम देखेंगे। शुभेंदु ने पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक रणनीति भी बताई और उनसे आग्रह किया कि वे अद्यतन मतदाता सूची का अध्ययन करें। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि रोजगार के लिए राज्य छोड़कर गए प्रवासी श्रमिक मतदान की अंतिम तिथि से पहले अपना वोट डालने के लिए वापस लौट आएं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें मुस्लिम बूथ में 100 में से 99 वोट मिलते हैं, तो हमें सनातनी बूथ में 100 में से 100 वोट क्यों नहीं मिलने चाहिए? इस चुनाव को एक 'राष्ट्रवादी और सनातनी सरकार' की स्थापना की लड़ाई बताते हुए अधिकारी ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तहत भाजपा सत्ता में आती है, तो वह राज्य में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना लागू करेगी, महिलाओं को 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी और योग्यता के आधार पर छह लाख सरकारी नौकरियां सृजित करेगी। उन्होंने मतदाताओं से राम नवमी के दिन राज्य में परिवर्तन लाने की शपथ लेने का आग्रह भी किया।

प्रसेनजीत को हाई कोर्ट से राहत, बिना अनुमति तस्वीर इस्तेमाल पर रोक

कोलकाता, समाज्ञा : प्रसेनजीत चट्टोपाध्याय को व्यक्तित्व के अधिकार की रक्षा को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने एक कंपनी के खिलाफ दायर मामले में अभिनेता के पक्ष में अंतरिम आदेश जारी किया है। अभिनेता ने 'मसाला मामाजी' नामक एक कंपनी पर आरोप लगाया था कि उसकी अनुमति के बिना उसके फोटो का इस्तेमाल कर उत्पाद बेचे जा रहे हैं। प्रसेनजीत ने यह भी दावा किया कि कंपनी द्वारा उपयोग की गई कुछ तस्वीरें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए तैयार की गई थीं। उनका कहना था कि इससे उनके व्यक्तित्व के अधिकार का उल्लंघन हो रहा है, जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित है। इस मामले में सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अरिंदम मुखोपाध्याय ने कंपनी को अभिनेता की तस्वीरों का इस्तेमाल तुरंत बंद करने का निर्देश दिया। अदालत ने 27 मार्च तक के लिए यह अंतरिम आदेश लागू किया है। अदालत ने कहा कि बिना किसी समझौते के किसी अभिनेता की छवि का व्यावसायिक उपयोग उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकता है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया कि प्रसेनजीत टॉलीवुड के प्रमुख अभिनेताओं में से एक हैं, और यदि समय पर हस्तक्षेप नहीं किया गया तो उन्हें और अधिक क्षति हो सकती है।

तृणमूल सरकार गरीबों के साथ अन्याय कर रही : सीतारमण

नयी दिल्ली/कोलकाता : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार गरीबों और श्रमिकों के साथ अन्याय कर रही है। वित्त विधेयक 2026 पर चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाएं राज्य में लागू नहीं की गई हैं। उन्होंने विशेष रूप से चाय बागान श्रमिकों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि केंद्र की 'प्रधानमंत्री चाय श्रमिक योजना' से असम में लाखों श्रमिकों को लाभ मिला, लेकिन पश्चिम बंगाल में इसे लागू नहीं किया गया। सीतारमण ने आरोप लगाया कि राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार चाय बागानों में काम करने वाले करीब 3.7 लाख श्रमिकों के हितों की अनदेखी कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य योजनाओं को भी राज्य में लागू नहीं किया गया, जिससे गरीबों को सीधा नुकसान हो रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य में पहले वामपंथी शासन और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस की नीतियों के कारण उद्योगों को नुकसान पहुंचा है।

चुनाव पर हाई कोर्ट का सख्त निर्देश, सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा सुनिश्चित का निर्देश

बूथों पर पुख्ता सुरक्षा और बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करें

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट ने विधानसभा चुनाव को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को आदेश दिया है कि वह 23 और 29 अप्रैल को होने वाले दो चरणों के मतदान के दौरान सभी बूथों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे। मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा के साथ-साथ मतदाताओं के लिए पीने के पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करना आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यह निर्देश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। याचिकाकर्ता ने राज्य में 100 प्रतिशत बूथ-स्तरीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती करनी है या राज्य एजेंसियों की, इसका अंतिम निर्णय केवल चुनाव आयोग ही लेगा। याचिकाकर्ता को इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है।

शुभेंदु के खिलाफ कितने मामले, कोर्ट में जानकारी नहीं दे पाई राज्य पुलिस

नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ राज्य के विभिन्न थानों में दर्ज कुल मामलों की सटीक संख्या बताने में राज्य पुलिस विफल रही है। मंगलवार को कलकत्ता हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान ममता बनर्जी सरकार की पुलिस द्वारा डेटा पेश न कर पाने पर अदालत ने सख्त रुख अपनाया। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने राज्य पुलिस को फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि आगामी 27 मार्च को सुनवाई के दौरान हर हाल में मामलों की पूरी सूची उपलब्ध कराई जाए। बता दें कि शुभेंदु अधिकारी ने आगामी चुनावों के मद्देनजर अपनी कानूनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अधिकारी के वकील बिल्वदल भट्टाचार्य ने दलील दी कि नामांकन पत्र भरते समय सभी आपराधिक मामलों की जानकारी देना अनिवार्य है। यदि समय पर पुलिस डेटा नहीं देती, तो नामांकन प्रक्रिया में बाधा आ सकती है।सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कोलकाता पुलिस ने तो अपने अधिकार क्षेत्र में दर्ज सात मामलों की जानकारी दे दी है, लेकिन बंगाल पुलिस अब तक शेष जिलों का ब्योरा नहीं जुटा पाई है। इस पर कोर्ट ने सवाल किया कि जब कोलकाता पुलिस जानकारी दे सकती है, तो राज्य पुलिस को इसमें देरी क्यों हो रही है? अब सबकी नजरें 27 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं।

विचाराधीन मामलों की रोजाना पूरक सूची जारी करने की अनुमति चाहता है आयोग

चुनाव आयोग ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर मांगी अनुमति

कोलकाता, समाज्ञा : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में विचाराधीन मामलो को लेकर गहराते विवाद के बीच आयोग ने हाई कोर्ट को पत्र लिखा है। निर्वाचन आयोग ने अब कलकाता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर प्रत्येक शुक्रवार के बजाय प्रतिदिन 'पूरक मतदाता सूची' प्रकाशित करने की अनुमति मांगी है। यह कदम उस समय उठाया गया है जब आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर तकनीकी खामियों के कारण लाखों वैध मतदाताओं का स्टेटस 'अंडर एडजुडिकेशन' (विचाराधीन) दिखाने लगा था, जिससे राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई थी।

हालांकि, कुछ घंटे बाद स्थिति सामान्य हो गई थी। आयोग का तर्क है कि यदि उन्हें प्रतिदिन सूची अपडेट करने की अनुमति मिलती है, तो वे लंबित नामों की स्थिति को तेजी से स्पष्ट कर सकेंगे और तकनीकी त्रुटियों को सुधारा जा सकेगा। फिलहाल, आयोग शुक्रवार को अगली सूची जारी करने वाला है, लेकिन पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वह अदालती अनुमति का इंतजार कर रहा है।

भद्रेश्वर में नीले ड्रम से युवक का गला कटा शव बरामद, इलाके में सनसनी

हुगली, समाज्ञा : हुगली जिले के भद्रेश्वर थाना क्षेत्र के श्वेतपुर इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब दिल्ली रोड किनारे झाड़ियों के पास एक नीले ड्रम से युवक का गला कटा शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों ने संदिग्ध हालत में पड़े ड्रम को देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब ड्रम खोला तो उसके अंदर बोरे में लिपटा एक युवक का शव मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शव आंशिक रूप से जला हुआ भी था, जिससे हत्या के बाद सबूत मिटाने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारी और भद्रेश्वर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए चुचुड़ा इमामबाड़ा जिला अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल, मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का अनुमान है कि युवक की हत्या कहीं और की गई और शव को ड्रम में भरकर यहां फेंक दिया गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वारदात ने मेरठ के चर्चित 'नीले ड्रम' हत्याकांड की याद भी ताजा कर दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही घटना का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

भवानीपुर के रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति पर विवाद, तृणमूल ने चुनाव आयोग से की शिकायत

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी सुरजीत रॉय पर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी से करीबी संबंध होने का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की है। तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने 24 मार्च को मुख्य निर्वाचन आयुक्त और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे एक पत्र में दावा किया कि 2011 बैच के डब्ल्यूबीसीएस (पश्चिम बंगाल सिविल सेवा) अधिकारी रॉय पहले नंदीग्राम-खख ब्लॉक में खंड विकास अधिकारी के रूप में तैनात थे और अधिकारी के साथ उनके करीबी संबंधों के बारे में सभी को जानकारी है। ओ'ब्रायन ने लिखा कि निर्वाचन अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में सुरजीत रॉय की निष्पक्षता और क्षमता को लेकर विश्वसनीय आशंकाएं बनी हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी की उम्मीदवारी से 'पक्षपात और निष्पक्षता की कमी की आशंका' पैदा होती है। पार्टी ने रॉय के वर्तमान पद (भूमि अभिलेख के अतिरिक्त निदेशक) पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि यह उनकी वरिष्ठता के अनुरूप नहीं है। पार्टी ने कहा कि यह पद पारंपरिक रूप से संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों के पास रहा है। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से सुरजीत रॉय की नियुक्ति को तत्काल रद्द करने, उन्हें चुनाव संबंधी सभी कर्तव्यों से हटाने और भवानीपुर के लिए 'किसी भी राजनीतिक संबद्धता से मुक्त एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और वरिष्ठ अधिकारी' को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त करने का आग्रह किया है।

तृणमूल ने दिलीप घोष के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दी

तृणमूल कांग्रेस ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष के खिलाफ शिकायत दी है। पार्टी ने आरोप लगाया गया है कि दिलीप घोष ने हाल में खड़गपुर में एक रैली में भाषण देते हुए चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों पर हमला करने की धमकी दी थी। शिकायत में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने आरोप लगाया कि घोष को व्यापक रूप से प्रसारित वीडियो में खड़गपुर थाना प्रभारी को लक्षित करते हुए 'हिंसक और धमकी भरे बयान' देते हुए देखा गया था। टीएमसी ने यह भी आरोप लगाया कि ये टिप्पणियां भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हैं। टीएमसी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से घोष के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने और उन्हें राज्य में तैनात पुलिस अधिकारियों पर मौखिक हमले करने, धमकी देने या उन्हें चोट पहुंचाने से रोकने के निर्देश जारी करने का आग्रह किया। पार्टी ने यह भी बताया कि उसने इससे पहले 16 मार्च को कालीघाट और चेतला क्षेत्र में टीएमसी नेताओं, कार्यकर्ताओं और जनता को धमकी देने के आरोप में घोष के खिलाफ इसी तरह की शिकायत दर्ज कराई थी।

राम जानकी शिव मंदिर में कल होगा भव्य राम जन्म महोत्सव का आयोजन

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा राम जानकी समिति इस वर्ष चैत्र राम नवमी के शुभ अवसर पर राम जानकी शिव मंदिर में भव्य राम जन्म महोत्सव का आयोजन कर रही है। समिति ने सभी सदस्यों और उनके परिवारों से आग्रह किया है कि वे इस पवित्र अवसर पर अनुष्ठान में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करें। महोत्सव का आयोजन 27 मार्च को होगा और यह कार्यक्रम राम जानकी शिव मंदिर, 30 गंगा राम बैरागी लेन, हावड़ा 1 में आयोजित किया जाएगा। इस दिन 8 बजे से भगवान राम जी की पूर्जा अर्चना होगी, 9 बजे से सामूहिक सुंदर कांड पाठ होगा, 11 बजे से कन्या पूजन एवं प्रसाद और संध्या 6 बजे से पंडित नमामि शंकर शुक्ला द्वारा भजन प्रस्तुति की जाएगी। इस अवसर पर अध्यक्ष उमेश कुमार जायसवाल और उपाध्यक्ष राधेश्याम जायसवाल सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहेंगे।

पूर्व टेनिस स्टार लिएंडर पेस ने नितिन नबीन से की मुलाकात, भाजपा में शामिल होने की अटकलें

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच पूर्व टेनिस स्टार लिएंडर पेस ने कोलकाता के दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मंगलवार की रात मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद, उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि पेस बंगाल से भाजपा के टिकट पर चुनाव में भी उतर सकते हैं। इससे पहले करीब चार साल पूर्व लिएंडर पेस ने गोवा में तृणमूल कांग्रेस की सदस्यता ली थी। हालांकि, गोवा चुनाव के बाद पार्टी में उनकी सक्रियता नहीं देखी गई। भाजपा की ओर से यह बात सामने आ रही है कि नितिन नबीन और उनकी पार्टी चाहती हैं कि लिएंडर पार्टी का झंडा थामे। भाजपा सूत्रों ने बताया कि लिएंडर पेस की नितिन नबीन के बैठक सकारात्मक रही। बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। हालांकि, दोनों पक्षों में से किसी ने भी इस पर फिलहाल सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है।

तृणमूल ने मुस्लिम वोट तो हासिल कर लिए लेकिन समुदाय के लिए कुछ नहीं किया : ओवैसी

चुनाव में हुमायूं और ओवैसी का गठबंधन, 182 सीटों पर उतारेंगे उम्मीदवार

कोलकाता, समाज्ञा : ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने मुस्लिम वोट तो हासिल कर लिए लेकिन ''समुदाय के लिए कुछ नहीं किया। ओवैसी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीति ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उभरने में मदद की। ओवैसी ने कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि राज्य के लोग घुटन महसूस कर रहे हैं और उनकी पार्टी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ हाथ मिलाया है ताकि जनता को वह विकल्प प्रदान किया जा सके जिसकी उन्हें तलाश है। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा कि लगभग पांच लाख ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए। इनमें से कई मुस्लिम परिवारों से थे। क्या यह कोई मुद्दा नहीं है? उन्होंने कहा कि यहां की आबादी में मुसलमानों की संख्या लगभग 30 प्रतिशत है। सरकारी नौकरियों में उनका प्रतिनिधित्व कितना है? केवल सात प्रतिशत। कितने मुस्लिम बच्चे स्कूल से बाहर हैं? कितने मुस्लिम लड़के-लड़कियां स्नातक की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं? ओवैसी ने आरोप लगाया कि ये प्रयास दिखावा ही रहे और राज्य में समुदाय के लिए वास्तविक विकास में तब्दील नहीं हुए। उन्होंने पूछा कि ईद के दिन नमाज अदा करने से क्या मेरा पेट भरता है? क्या इससे मेरे घर में रोशनी होती है? क्या इससे मेरे बच्चों का भविष्य सुरक्षित होता है? हैदराबाद से सांसद ने दावा किया कि बनर्जी की राजनीति ने अप्रत्यक्ष रूप से राज्य में भाजपा को अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा के तीन विधायक कब जीते थे? 2016 में ना? अब उनके पास 77 विधायक हैं। क्या मैंने उन्हें जिताया? क्या मैं इतना ताकतवर हूं कि मैंने भाजपा को फलने फूलने दिया? भाजपा का विकास आपकी आंखों के सामने हो रहा है। ओवैसी ने दावा किया कि एआईएमआईएम का एजेयूपी के साथ गठबंधन राज्य में कमजोर वर्गों के शोषण को रोकने और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन से राज्य में मुसलमानों के राजनीतिक नेतृत्व को भी मजबूती मिलेगी।

हरिदेवपुर में फ्लैट से बुजुर्ग महिला का सड़ा-गला शव बरामद, पुलिस जांच में जुटी

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता के हरिदेवपुर थाना क्षेत्र स्थित जेम्स लॉन्ग सरणी इलाके में मंगलवार रात एक फ्लैट से 60 वर्षीय महिला का सड़ा-गला शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान बुला चक्रवर्ती (60) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, जेम्स लॉन्ग सरणी स्थित एक आवासीय भवन की तीसरी मंजिल के फ्लैट से महिला का शव बरामद किया गया। मंगलवार रात करीब 10 बजे एक स्थानीय निवासी जब उस फ्लैट के सामने से गुजर रहा था, तब उसे वहां से तेज सड़ी हुई बदबू महसूस हुई। संदेह होने पर उसने कई बार दरवाजा खटखटाया और घंटी भी बजाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। सूचना मिलते ही हरिदेवपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लैट का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। अंदर एक महिला का सड़ा-गला शव पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि महिला उस फ्लैट में अकेली रहती थीं। प्रारंभिक अनुमान है कि उनकी मौत कई दिन पहले हो चुकी थी, जिसके कारण शव में सड़न शुरू हो गई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए विद्यासागर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मतदाता जागरूकता के लिए नई पहल, हुगली में 'चुनावी टैब्लो' का शुभारंभ

हुगली, समाज्ञा : आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए हुगली जिला प्रशासन ने एक विशेष पहल की है। बुधवार को हुगली के कलेक्टर खुर्शीद अली कादरी ने जिला मुख्यालय के सामने एक आकर्षक जागरूकता टैब्लो का औपचारिक उद्घाटन किया। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत तैयार किए गए इस टैब्लो का मुख्य उद्देश्य खासकर युवा मतदाताओं और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मतदान के प्रति प्रेरित करना है। उद्घाटन के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करना हमारा लक्ष्य है। यह टैब्लो जिले के विभिन्न ब्लॉक और पंचायत क्षेत्रों में जाकर लोगों को उनके मतदान के अधिकार और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करेगा। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से अधिक से अधिक लोग मतदान के लिए प्रेरित होंगे और चुनाव में भागीदारी बढ़ेगी।

अभिषेक की सभा में शामिल होने के लिए 13 किमी दौड़े तृणमूल प्रत्याशी

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के दांतन क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस के केशियाड़ी विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी रामजीवन मांडी ने बुधवार को अभिनव चुनाव प्रचार के जरिए लोगों का ध्यान आकर्षित किया। तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की सभा में शामिल होने के लिए मांडी ने करीब 13 किलोमीटर की दूरी दौड़कर तय की। जानकारी के अनुसार, मांडी ने दांतन के मनोहरपुर से दौड़ शुरू की और सभा स्थल दांतन घोलाई मोड़ तक लगातार दौड़ते हुए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रास्ते में आम लोगों से मुलाकात कर जनसंपर्क भी किया। उनके इस अनोखे प्रचार अभियान को लेकर सुबह से ही इलाके में चर्चा का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने प्रत्याशी के इस प्रयास को सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि इस तरह का सीधा संपर्क चुनावी माहौल में नई ऊर्जा भरता है।

शिवपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार रुद्रनील घोष अपने डोर-टू-डोर चुनाव प्रचार अभियान के दौरान बजाया ढाक फोटो- कुणाल मल्लिक

बुदबुद में नाका चेकिंग के दौरान कार से 10 लाख नकद बरामद, कई हिरासत में

आसनसोल : आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमीशनरेट अंतर्गत बुदबुद थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात नाका चेकिंग के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार से भारी मात्रा में नगद बरामद किया गया। मौके पर ही नकदी की गिनती शुरू की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लगभग 10 लाख रुपये जब्त किए गए हैं। गाड़ी में सवार आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। बताया गया है कि इस कार्रवाई के दौरान बुदबुद थाना की पुलिस के साथ केंद्रीय सुरक्षा बल (सीएपीएफ) के जवान भी मौके पर तैनात थे। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद नकदी का स्रोत क्या है और इसे कहां ले जाया जा रहा था। पुलिस ने साफ किया है कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गलसी में बस और ट्रक की टक्कर में एक महिला की मौत, 30 घायल

पूर्व बर्दवान : जिले में बुधवार को बेनाचिति-कृष्णानगर मार्ग पर एक बस की सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई, जिससे एक महिला की मौत हो गई और कम से कम 30 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। गलसी थाने के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के गलीग्राम इलाके में हुई। अधिकारी के अनुसार, घायल यात्रियों को बर्धमान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान एक महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने टक्कर के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

खतरनाक हो सकता है लंबे समय तक बैठना

गीतू नवानी

लंबे समय तक डेस्क पर काम करने या बैठने की तुलना धूम्रपान करने वालों से की जा रही है। नये अध्ययनों के अनुसार लंबे समय तक बैठकर काम करना या लंबे समय तक बैठना हमारे शरीर को उतना ही नुकसान पहुंचाता है जितना कि हमारे शरीर को धूम्रपान करने से होता है। चाहे आप पूरा दिन बैठ कर काम करने के बाद जिम व्यायाम के लिए जाएं या सैर करें, शरीर को जो नुकसान होना है, वह होगा। इसी प्रकार धूम्रपान करने वाले चाहे पौष्टिक आहार लें और व्यायाम करें, नुकसान उन्हें भी धूम्रपान करने जितना उठाना ही पड़ेगा।

धूम्रपान शरीर के बहुत सारे अंगों को नुकसान पहुंचाता है जैसे दिमाग, गला, फेफड़े आदि। ब्लड कैंसर, पेट की गड़बड़ी, किडनी ,ब्लैडर व सर्विक्स कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कई और खतरनाक बीमरियां भी घेर सकती हैं जैसे अंधापन, मसूड़ों से संबंधित, निमोनिया, अस्थमा, गठिया, नपुंसकता आदि।

ज्यादा समय तक बैठने से भी कई बीमारियों से जूझना पड़ सकता है। खड़े रहने व चलने से आपके शरीर में कैलोरीज का खर्च अधिक होता है और बैठने से कैलोरीज का खर्च कम होता है। नये शोधों के अनुसार अधिक समय तक बैठने से दिल की बीमारी व मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। इसके अतिरिक्त हमारी नाड़ियों में खून का प्रवाह कम हो जाता है जो सीधा दिल, दिमाग पर प्रभाव डालता है। शरीर के इन अंगों को खून कम पहुँचता है जिससे हमारी स्मरण शक्ति भी प्रभावित होती है।

6 घंटे से अधिक बैठने वालों का एलडीएल व मोटापा भी बढ़ता है और मधुमेह का खतरा भी। 8 घंटे से अधिक लगातार बैठने वालों की हड्डियां कमजोर होती हैं जिससे थोड़ी सी चोट लगने पर फ्रेक्चर हो सकता है। हमारी आयु भी कम होती है।

इन सबसे बचने के लिए हमें फोन पर बात चलकर करनी चाहिए। हर एक घंटे के अंतराल में पीने के लिए पानी स्वयं लेने जाएं, वाशरूम जाएं, कुछ छोटे-छोटे काम औरों से न करवा कर आत्मनिर्भर बनें ताकि शरीर में हलचल होती रहे। पास की मार्केट से जाकर फल-सब्जी, दूध व ग्रासरी आदि स्वयं खरीदें। ये उपाय अपना कर आप अपने शरीर को अधिक बैठने के खतरों से बचा सकते हैं। (स्वा. द.)

ऐसे दूर करें तनाव आंखों का

नीतू गुप्ता

आंखों में दोष होना कई कारणों से होता है जैसे अधिक टी. वी. देखना, अधिक समय तक कम्प्यूटर पर काम करना, आंखों की उचित देखभाल न करना, अधिक दिनों तक नींद पूरी न होना, प्रदूषण भरे वातावरण में अधिक समय तक रहना या कुछ मानसिक तनाव का होना। आप कुछ बातों पर ध्यान देकर अपनी आंखों के तनाव को दूर कर सकते हैं। जब कभी आपकी आंखें तनावग्रस्त हों तो निम्नलिखित उपायों को अपनाएं।

शीतल जलः-

जब कभी आंखें तनावग्रस्त हों, शीतल जल आंखों को थकान और तनाव से शीघ्र मुक्त करवाता है। आंखों पर आराम से ठंडे जल के छींटे मारें। ध्यान रखें जोर से पानी न फेंकें। 15 से 20 बार ठंडे पानी से आंखों को धोयें। आंखें तनावरहित और तरोताज़ा हो जायेंगी। आंखों पर पानी डालते समय पानी दो इंच की दूरी से आंखें बंद कर पानी डालें। ध्यान रखें पानी ठंडा, ताज़ा, और साफ होना चाहिए।

झपकानाः-

अधिक पढ़ने लिखने वाले लोगों को हर दस मिनट के बाद अपनी आंखें झपकानी चाहिएं। झपकाते समय लिखाई पढ़ाई का काम न करें। वैसे तो आंखें अपने आप भी झपकती रहती हैं पर आंखों का काम करते समय स्वयं भी इस ओर ध्यान देना चाहिए। ऐसा करने से आंखों का तनाव कम होता है। हर दस मिनट पश्चात् दो बार आंखें बिना किसी दबाव के झपकायें।

हथेली से आंखों को ढकें-

वैसे तो हम रात की नींद पूरी ले लें तो प्रातः उठकर आंखों में न तो थकान रहती है न ही तनाव। दिन में भी कम से कम आधे से एक घंटा आंखों को बंद कर आराम देना चाहिए। यदि ऐसा संभव न हो तो कुर्सी पर या सोफे पर आराम से बैठकर आंखों को हथेली से ढक लें और शरीर को ढीला छोड़ दें। आंखों को इस प्रकार हथेलियों से ढकें कि आंखों पर कोई दबाव न पड़े। इससे आंखों को पूरा आराम मिलता है। यह एक उत्तम अभ्यास है। यह अभ्यास 15 से 20 मिनट तक करें। आंखें बंद तब तक रखें जब तक काला रंग न दिखाई दे। इससे मस्तिष्क को भी आराम मिलता है।

सूर्य प्रकाशः-

सूर्य की तेज़ रोशनी सीधी पड़ने से आंखों को नुकसान होता है। थोड़ी रोशनी आंखों के सुधार के लिए अच्छी होती है। आंखों को सूर्य की रोशनी ऐसे दिलानी चाहिए। आंखों को बंद करके सूर्य की तरफ चेहरा करके सिर को एक साइड से दूसरी तरफ घुमायें। ऐसा करने से सूर्य की रोशनी आंखों के सभी हिस्सों को मिलेगी। इस क्रिया को दिन में 5 से 10 मिनट तक करें। ध्यान रखें प्रातः के समय जब सूर्य पूरा उदय होता है, तब करें। दोपहर में तेज धूप में इस क्रिया को न करें।

इधर उधर झूमनाः-

सीधे खड़े होकर दोनों पैरों के बीच 12 इंच की दूरी रखते हुए हाथों को ढीला छोड़ दीजिए, फिर शरीर को भी बाद में धीरे-धीरे शरीर को दाएं बांये घुमाएं। ऐसे घुमायें जैसे घड़ी का पेंडुलम घूमता है। इस प्रकार शरीर को दांये बांये 5 से 10 मिनट तक घुमाते रहें। ऐसा करने से नाड़ी प्रणाली को आराम मिलता है। शरीर को घुमाते समय आंखें बंद करें और खोलें। इससे शरीर के साथ-साथ आंखों का भी व्यायाम होता है तथा आंखें तनावरहित रहती हैं। (स्वा. द.)

अपने पैरों को आकर्षक बनाएं

सुमित्रा यादव

हमारा शरीर मशीन की भांति ही कार्य करता है। जिस प्रकार सभी कलपुर्जों की देखभाल से ही मशीन सुचारू रूप से काम करती है, उसी प्रकार शरीर के सभी अंगों की नियमित देखभाल से ही शरीर निरोग व स्वस्थ रहता है। साथ ही साथ लंबे समय तक चलने की संभावना बनी रहती है।

शरीर में यूं तो सभी आवश्यक अंग महत्त्वपूर्ण होते हैं किन्तु पैर तो पूरे शरीर के भार को ढोते हैं. फिर भी हम पैरों की तरफ लापरवाही करते हैं। उनकी अपेक्षित देखभाल नहीं करते। अनेक महिलायें तो शरीर की सुन्दरता को बढ़ाने के लिए अनेक उपाय करती हैं, नाना प्रकार की सौन्दर्य सामग्रियां प्रयोग में लाती हैं किन्तु पैरों को पूरी तरह उपेक्षित कर देती हैं, जिससे उनकी सुन्दरता फीकी पड़ जाती है। यदि कुछ वक्त पैरों की देख-भाल में लगायें तो सब जगह आप आकर्षण का केन्द्र बन सकती हैं।

पैरों की नियमित देख-रेख से आपकी खूबसूरती पर चार चांद लग सकते हैं। यूं तो ब्यूटी पॉर्लर में 'पेडिक्योर' करवा कर पैरों की सुन्दरता बढ़ा सकती हैं लेकिन यदि समय और धन की बचत करना चाहती हो तो घर में भी यह हो सकता है।

पैरों की सुन्दरता बढ़ाने के कुछ टिप्स

* सर्वप्रथम चोकोर पतीले में हल्का गुनगुना पानी लेकर साबुन डालें। झाग उत्पन्न होने पर उसमें पैरों को रखें। याद रहे कि पैर पूरी तरह भीगने चाहिए।
* कम से कम 20 मिनट तक ऐसा करें। इस समय का सदुपयोग आप पेपर पढ़ कर या हाथ से किया जाने वाला अन्य कार्य कर के कर सकते हैं।
* बीच-बीच में दोनों पैरों को एक दूसरे के ऊपर रख कर रगड़ते रहें।

20 मिनट पश्चात् प्यूमिक स्टोन, या कड़े बाल वाले ब्रश से एड़ियों को रगड़ें। इसके साथ ही पैरों की भी हल्की मालिश करें।

* फिर स्वच्छ पानी से अच्छी तरह पैरों को धोकर नरम तौलिये से पोंछें।
* पैर की उंगली के पोरों को भी अच्छी तरह पोंछें। सूख जाने के बाद क्रेक क्रीम लगायें या फिर सरसों तेल में हल्दी मिलाकर लगायें।
* पुराने टूथब्रश से नाखूनों की भी सफाई करें। खाली समय में नाखूनों पर नींबू छीलका रगड़ें। इससे नाखून मजबूत एवं चमकदार होते हैं।
* नाखून पर रंगों से मेल खाती बढ़िया क्वालिटी की नेल पॉलिश लगायें। नेलपालिश उखड़ने लगे तो रिमूवर से नाखून साफ करें।
* कुछ दिन नाखूनों में नेल पॉलिश न लगायें।
* पैरों की सुध नियमित लें। यदि रोज़ाना गवारा न हो तो सप्ताह में दो बार अवश्य करें। कुछ दिनों के अन्-तराल में आपके पैर चेहरे की भांति चमकने लगेंगे।

इस प्रकार आप थोड़ी सी सूझ-बूझ समझदारी से पैरों को उपेक्षित होने से बचा लेंगी।(स्वा. द.)

पौष्टिक आहार दिलवाता है थकान से मुक्ति

भाषणा बांसल

आम तौर पर देखा जाता है कि आजकल अधिकांश व्यक्ति चाहे वे पुरूष हों या महिलाएं, को अक्सर कमजोरी व थकान की शिकायत रहती है। ऐसे पुरूष व महिलाएं या तो अधिक समय बीमार रहते हैं या उन्हें थोड़ा-सा काम करने के बाद ही थकान महसूस होने लगती है।

अधिकांश लोगों को अक्सर यही कहते सुना जाता है कि वे अच्छा खाने-पीने के बावजूद दुर्बलता व थोड़ा-सा काम करते ही थकावट महसूस करने लगते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जो कुछ हम शारीरिक शक्ति बढ़ाने के लिए खाते हैं, उसके बारे में हमें पूरा ज्ञान भी होना चाहिए कि कौन-सा पौष्टिक भोजन किस समय खाना चाहिए।

मोटे व्यक्तियों को आम तौर पर यही शिकायत रहती है कि वे मोटे हैं, इसीलिए थोड़ा-सा श्रम करने पर ही उनकी सांस फूल जाती है।

आखिर क्यों होता है ऐसा? आइए इस पर विचार करें-

मोटे व्यक्तियों के लिएः-

- मोटे व्यक्तियों को अधिक कैलोरी वाली, घी व तेल में बनी व मीठी वस्तुएं नहीं खानी चाहिए।
- मलाई, मक्खन, घी, मेवा, मांस, अंडा आदि का अधिक प्रयोग भी मोटे व्यक्तियों के लिए हानिकारक है।
- उन्हें सलाद, हरी सब्जियों व दही इत्यादि का अधिक सेवन करना चाहिए।
- कई बार देखा जाता है कि मोटे व्यक्ति श्रम करना लगभग छोड़ देते हैं जबकि ऐसा करने से वे और अधिक मोटे हो जाते हैं।
- मोटे व्यक्तियों को पैदल चलने या थोड़ा-थोड़ा श्रम करने की आदत डालनी चाहिए ताकि उनकी मांसपेशियां अकड़न से बच सकें।

पतले व्यक्तियों के लिएः-

- दुर्बल व्यक्तियों को चर्बी, कार्बोहाइड्रेट व प्रोटीनयुक्त भोजन अधिक लेना चाहिए।
- धूम्रपान व मदिरा का सेवन शरीर व मन को कमजोर बनाता है, इसलिए इससे बचकर ही रहना चाहिए।
- अधिक चाय का सेवन भी हानिकारक है।
- भोजन में दूध, घी, दही आदि का प्रयोग अधिक करें।
- शारीरिक शक्ति के अनुसार ही श्रम करें। (स्वा. द.)

चाय का सेवन कितना लाभप्रद, कितना नुकसानदेह

सर्दी के मौसम में तो चाय का नाम सुनते ही सर्दी से सुकून मिलने लगता है और उससे मिलने वाली गर्माहट महसूस होने लगती है। चाय का सेवन जहां हमें रिलैक्स करता है वहीं ज्यादा नुकसान भी पहुंचाता है। सही तरीके से बनी चाय अगर सीमित मात्रा में ली जाए तो शरीर को चुस्ती मिलने के साथ कई लाभ भी मिलते हैं। आइए जानें फायदे और नुकसान:-

चाय सेवन के लाभः-

* चाय में एंटीजन होने के कारण एंटी बैक्टीरियल क्षमता बढ़ती है।
* चाय में कैफीन और टैनिन होने के कारण शरीर को ऊर्जा मिलती है।
* चाय में फ्लोराइड पाए जाने के कारण हड्डियां मजबूत रहती हैं और दांतों में कीड़ा लगने से बचाव है।
* चाय में पाया जाने वाले अमीनो एसिड दिमाग को अलर्ट रखते है।
* इसमें एंटी-आक्सीडेंट तत्व होने के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
* बुढ़ापे की रफ्तार को कम करती है क्योंकि इसमें एंटी एजिंग गुण पाए जाते हैं।

अधिक चाय सेवन के नुकसानः-

किसी भी चीज का आदी होना शरीर को नुकसान पहुंचाता है इसी प्रकार चाय का अति सेवन भी नुकसान पहुंचाता है।

* ज्यादा चाय पीने से एसिडिटी की समस्या हो सकती है।
* शरीर में आयरन जज्ब करने की क्षमता कम होती है।
* अधिक चाय का सेवन शरीर में खुश्की लाता है।
* चाय में कैफीन होने के कारण अधिक सेवन से शरीर उसका गुलाम हो जाता है।
* पाचन क्रिया धीमी पड़ती है।
* नींद न आने की समस्या हो सकती है।
* अधिक चाय के सेवन से दांतों पर दाग आ जाते हैं।
* अधिक चाय लेने से मुंह का स्वाद बिगड़ता है।

कुछ बातों का रखें ध्यानः-

* एसिडिटी वाले लोगों को चाय का सेवन कम से कम करना चाहिए। खाली चाय का सेवन न कर साथ में एक-दो बिस्किट लेने चाहिएं।
* गर्भवती महिला को चाय का सेवन कम से कम करना चाहिए।
* रात्रि में सोने से पहले चाय के सेवन से बचना चाहिए, नहीं तो नींद में विघ्न पड़ सकता है।
* आधे घंटे पहले बनी चाय को दोबारा गर्म कर पीने से बचें।
* चाय की पत्ती को बार-बार न उबालें।
* गली मोहल्ले और ढाबों में बनने वाली चाय पीने से बचें क्योंकि बार-बार उसी चाय पत्ती में और पत्ती डाल कर उबाला जाता है।
* सुबह उठते ही चाय का सेवन नुकसानदेय होता है।

चाय के सेवन का लाभ या नुकसान चाय बनाने की विधि पर भी निर्भर करता है। (स्वा. द.)

खर्राटे: कारण, और निवारण

विवेक रंजन श्रीवास्तव

घोड़े बेचकर सोना एक कहावत है। प्रायः अत्यंत गहरी नींद में खर्राटे एक सामान्य समस्या है।

खर्राटे केवल एक सामाजिक उपद्रव नहीं बल्कि एक शारीरिक स्थिति है, जो नींद के दौरान श्वसन मार्ग में रुकावट के कारण उत्पन्न होती है। यह स्थिति तब बनती है जब गले और मुंह के शिथिल ऊतकों से हवा के गुजरने पर कंपन होता है। नींद की प्रक्रिया में यह व्यवधान न केवल खर्राटे लेने वाले व्यक्ति बल्कि उनके साथ सोने वालों के जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। यह लेख खर्राटों के वैज्ञानिक कारणों, उनसे उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और उनके प्रभावी निवारण पर केंद्रित है।

खर्राटों के प्रमुख कारण

शोध के अनुसार, खर्राटे मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटे जा सकने वाले कारकों से उत्पन्न होते हैं: शारीरिक संरचना, जीवनशैली, और चिकित्सीय स्थितियाँ। शारीरिक संरचना के अंतर्गत, जन्मजात रूप से गले का संकरा होना, बढ़े हुए टॉन्सिल, या मोटी जीभ हवा के मार्ग को बाधित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, नाक के अंदर हड्डी का टेढ़ापन या नाक के पॉलिप्स भी खर्राटों का एक सामान्य कारण हैं। जीवनशैली से जुड़े कारकों में सबसे प्रमुख है अधिक वजन, जिसके कारण गले के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी श्वसन नली पर दबाव डालती है। पीठ के बल सोने की आदत भी गुरुत्वाकर्षण के कारण जीभ और गले के ऊतकों को पीछे की ओर धकेलती है, जिससे रुकावट पैदा होती है। सोने से पहले शराब का सेवन या नींद की गोलियाँ गले की मांसपेशियों को अत्यधिक शिथिल कर देती हैं, जबकि धूम्रपान श्वसन मार्ग में सूजन और जलन पैदा करता है। चिकित्सीय स्थितियों में स्लीप एपनिया सबसे गंभीर है, जिसमें नींद के दौरान सांस बार-बार रुकती और शुरू होती है। इसके अलावा, एलर्जी और सर्दी के कारण नाक बंद होने से भी खर्राटे आने की संभावना बढ़ जाती है।

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव

लगातार खर्राटे लेना न केवल साथी सोने वाले व्यक्ति को परेशान करता है, बल्कि स्वयं खर्राटे लेने वाले के लिए भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। गहरी नींद के बाधित होने से दिन भर थकान और सुस्ती बनी रहती है, जिससे कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन न मिलने से संज्ञानात्मक क्षमता में गिरावट आती है, जिसके परिणामस्वरूप एकाग्रता और याददाश्त कमजोर होती है। दीर्घकालिक रूप से, इस स्थिति से उच्च रक्तचाप, हृदयाघात और स्ट्रोक जैसे हृदय संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। लगातार थकान और अपर्याप्त नींद से चिड़चिड़ापन और मूड स्विंग की समस्या भी हो सकती है, जो व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

निवारण और उपचार के उपाय

खर्राटों का उपचार उनके कारणों पर निर्भर करता है और इसे तीन स्तरों पर समझा जा सकता है। जीवनशैली में सुधार सबसे प्रभावी दीर्घकालिक उपाय है, जिसके अंतर्गत वजन नियंत्रण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वजन कम होने से गले की चर्बी घटती है और श्वसन मार्ग स्वतः ही खुल जाता है। पीठ के बजाय करवट लेकर सोने की आदत डालना भी अत्यंत लाभकारी है, जिसके लिए पीठ पर तकिया लगाकर रखा जा सकता है। सोने से पहले शराब और धूम्रपान से परहेज करना भी खर्राटों को कम करने में सहायक होता है। घरेलू और सहायक उपायों के रूप में, नाक बंद होने पर सलाइन स्प्रे या नेजल स्ट्रिप्स का उपयोग किया जा सकता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से मुंह और गले की चिपचिपाहट कम होती है, जिससे कंपन घटता है। अतिरिक्त तकिये का उपयोग करके सिर को थोड़ा ऊंचा रखने से भी जीभ आगे की ओर खिसक जाती है। जब ये उपाय पर्याप्त न हों तो चिकित्सीय हस्तक्षेप आवश्यक हो जाता है। डेंटल उपकरण या ओरल एप्लायंस नामक विशेष माउथपीस जबड़े और जीभ को आगे की स्थिति में रखते हैं, जिससे श्वसन मार्ग खुला रहता है। स्लीप एपनिया के रोगियों के लिए उझ-झ मशीन स्वर्णिम उपचार है, जो मास्क के जरिए हवा का निरंतर दबाव बनाकर श्वसन मार्ग को खुला रखती है। यदि समस्या नाक के पॉलिप्स, टेढ़े सेप्टम या बढ़े टॉन्सिल के कारण हो, तो शल्य चिकित्सा एक स्थायी समाधान हो सकता है।

निष्कर्ष

खर्राटे एक सामान्य समस्या है, लेकिन इसे अनदेखा करना गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। अधिकतर मामलों में जीवनशैली में बदलाव से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि, यदि जीवनशैली में बदलाव के बावजूद खर्राटे बने रहें या सांस रुकने के लक्षण दिखें, तो बिना देरी किसी निद्रा रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। समय पर पहचान और उचित उपचार से न केवल खर्राटों से मुक्ति पाई जा सकती है बल्कि संभावित गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों से भी बचा जा सकता है।

जब सताए कब्ज

सुनीता गाबा

जब कब्ज सताए तो प्रातः उठकर पानी पीने की आदत डालें। धीरे-धीरे पानी की मात्रा बढ़ाते जाएं। दो-तीन गिलास तक प्रातः खाली पेट बिना कुल्ला किए ले सकते हैं।

* रात्रि में तांबे के बर्तन में पानी भरकर रखें। उसमें दो-तीन तुलसी की पत्तियां मसल कर डालें। प्रातः शौच जाने पूर्व उस पानी को पिएं। कब्ज से राहत मिलेगी।
* दिन में दो बार दूध में शहद या हल्की चीनी मिला कर लें।

अमरूद और पपीता, ये दोनों फल कब्ज से छुटकारा पाने के लिए अच्छे हैं। उन्हें नियमित खाएं।

* पालक को आप सब्जी के रूप में, सूप या सब्जियों के जूस में मिला कर ले सकते हैं। पालक भी कब्ज के लिए अच्छी होती है।
* प्रातः एक सेब बिना छीले और बिना काटे खाने से भी कब्ज में राहत मिलती है।
* किशमिश या अंजीर को रात्रि में भिगो कर रखें। उन्हें खाली पेट खाएं और पानी भी पी लें। कब्ज दूर होती है।
* दूध में थोड़ा घी डालकर सोते समय पीने से कब्ज की समस्या दूर होती?
* दिन में गर्म पानी में नींबू डालकर और थोड़ा नमक मिलाकर पीने से भी लाभ होता है।
* संतरे का जूस भी कब्ज को दूर रखने में मदद करता है। एक गिलास ताजा संतरों का रस पिएं।
* नॉन वेज फूड के सेवन से बचें। नॉनवेज पेट में एसिडिटी बनाता है। (स्वा. द.)

बीमारी में व्रत खतरनाक

सीतेश कुमार द्विवेदी

व्रत रखने वाले व्रती दो कारणों से उपवास करते हैं। प्रथम है धार्मिक एवं द्वितीय है स्वास्थ्य लाभ। उपवास रखने वाला व्यक्ति यदि कुछ बातों ध्यान रखें तो उसे और अधिक शारीरिक लाभ मिल सकता है किंतु बीमार व्यक्ति के लिए उपवास खतरनाक सिद्ध हो सकता है।

व्रत:- उपवास रखने से अनेक लाभ हैं। मौसम परिवर्तन की अवस्था में उपवास रखने पर ऋतु संक्रमण काल की बीमारियां पास नहीं आती। मौसमी बीमारियों का आक्रमण नहीं होता। मनुष्य में भूखे रहने एवं भूख सहने की इच्छा शक्ति बढ़ाती है।

बीमारी की अवस्था में:-

अल्सर, पीलिया, अनीमिया, उल्टी-दस्त, बी. पी., शुगर और हृदय रोग संबंधी बीमारियों में खाली पेट नहीं रहना चाहिए। ऐसी स्थिति में रोगी की तकलीफ बढ़ सकती है। कभी-कभी जान का खतरा भी बना रहता है। अल्सर में खाली पेट रहने पर एसिडिटी बढ़ जाती है। अधिक दिनों तक भूखे रहने पर पेट का अल्सर फटने एवं उसमें से खून निकलने की आशंका रहती है।

पीलिया पीड़ित को भी उपवास नहीं रखना चाहिए। खाना नहीं खाने से शरीर में खून की कमी हो जाती है। इससे कमजोरी एवं चक्कर आने की शिकायत होती है। अनीमिया पेशेंट के लिए उपवास नुकसानदायक है। उन्हें हमेशा कुछ न कुछ खाना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर बीमारी बढ़ जाती है।

उल्टी दस्त की स्थिति में खाली पेट नहीं रहना चाहिए। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इस स्थिति में रोगी यदि उपवास रखता है तो शरीर में और पानी की कमी हो जाएगी।

शुगर के रोगी अगर खाली पेट रहते है तो बीमारी और घट-बढ़ सकती है। गर्भवती स्त्री को उपवास से परहेज करना चाहिए। ऐसे समय में उन्हें अतिरिक्त विटामिन, प्रोटीन और कैल्शियम की आवश्यकता होती है। अगर वे उपवास रखती हैं तो बच्चे को पोषक तत्व नहीं मिलेंगे।

उपवास से लाभ:-

दोनों नवरात्रियां ऋतु संक्रमण काल में आती हैं। इन दिनों उपवास रखने पर वातावरण के सक्रिय कीटाणु शरीर पर आक्रमण नहीं कर पाते हैं। खाने में नियंत्राण कर बीमारी से दूर रहा जा सकता है।

निर्जला उपवास:-

निर्जला उपवास से पेट एवं लिवर संबंधित परेशानियां बढ़ जाती हैं। आहार नली में सिकुड़न आ सकती है। बीच-बीच में तरल पदार्थ लेते रहने चाहिए। इससे शरीर में पानी की मात्रा बनी रहती है। चौबीस घण्टे, में एक बार फलाहार या भोजन करने से शारीरिक क्षमता बनी रहती है।

बच्चे, बूढ़े उपवास से सावधान:-

14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे एवं 60 से अधिक आयु के वृद्ध को उपवास नहीं रखना चाहिए। 14 वर्ष तक बच्चों का शारीरिक विकास तेजी से होता है। इस बीच पर्याप्त भोजन एवं पौष्टिक तत्व मिलते रहने से शारीरिक विकास अच्छा होता है। इसी तरह 60 वर्ष की उम्र के बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमी होने लगती है जिसे खानपान में ध्यान रख नियंत्रित रखा जा सकता है।

उपवास के बाद खान-पान का रखें ध्यान:-

उपवास तोड़ने पर सबसे पहले नमक व शक्कर मिला नींबू पानी पीना चाहिए। उपवास तोड़ने पर एक बारगी पूड़ी व मसाले वाली सब्जी अधिक नहीं खाने चाहिए। इसे प्रसाद के तौर पर कुछ मात्रा में लेना चाहिए। व्रत खोलने के बाद नमक वाला सादा खाना जैसे दाल, चावल, सब्जी को आहार में शामिल करना चाहिए।

नवरात्रि उपरान्त एक हफ्ते भर सादा भोजन लेना सेहत के लिए अच्छा रहता है। उपवास की अवस्था में पाचन तंत्र अनियंत्रित हो जाता है जो व्रत सामान्य होने पर एक बारगी अधिक भोजन तेल, घी, मसाला खाने से एसिडिटी, पेट में जलन, दर्द, उल्टी जैसी समस्या पैदा कर सकता है। (स्वा. द.)

त्वचा को सुंदर व स्वस्थ बनाने में सहायक है फेशियल

सोनी मल्होत्रा

उम्र का प्रभाव सबसे अधिक हमारी त्वचा पर पड़ता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, त्वचा की स्निग्धता व ताजगी में कमी आने लगती है इसलिए 25 वर्ष की आयु के बाद त्वचा को विशेष देखभाल की जरूरत होती है जिसमें सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है फेशियल जो त्वचा को स्वस्थ व सुंदर बनाता है। फेशियल त्वचा की सफाई करता है व त्वचा की नमी को बनाए रखता है।

फेशियल करते समय रक्त संचार बढ़ता है व नए स्किन सेल्स का निर्माण होता है। यही नहीं, फेशियल चेहरे की मांसपेशियों को टोन करता है, इसलिए 15 दिन में एक बार फेशियल अवश्य करवाएं।

फेशियल भी विभिन्न प्रकार के होते हैं। अपनी ब्यूटीशियन से राय लेकर अपनी त्वचा के अनुरूप फेशियल का चयन करें। फेशियल में थर्मोहर्ब फेशियल का प्रयोग आजकल अधिक हो रहा है। इस फेशियल में आम फेशियल की तरह मसाज करने के उपरांत थर्मोहर्ब मास्क लगाया जाता है जो त्वचा की क्लीजिंग तो करता ही है, साथ ही रोम छिद्रों को टाइट करता है। अगर आपके चेहरे पर झुर्रियां बहुत अधिक हैं तो यह फेशियल आपके लिए फायदेमंद है।

आजकल अरोमाथेरेपी फेशियल का प्रयोग भी बढ़ गया है। त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार तेलों में कई औषधीय गुण छिपे हुए हैं। अरोमाथेरेपी में प्राकृतिक व औषधीय गुणों से भरपूर तेलों का प्रयोग होता है जिससे न केवल त्वचा में नई चमक आती है बल्कि थकावट व तनाव भी दूर होता है। अरोमाथेरेपी में इन तेलों का प्रयोग मसाज के लिए किया जाता है। इन तेलों में आंतरिक शक्ति होती है और इन तेलों के प्रयोग से मानसिक शांति भी मिलती है। इन तेलों के प्रयोग से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता और रक्त संचार में सुधार आता है व ये त्वचा के ऊतकों का निर्माण करते हैं।

अगर त्वचा की नमी में कमी आ गई है तो गैल्वनिक फेशियल उपयुक्त है। इसमें गैल्वनिक उपकरण का प्रयोग होता है जिससे त्वचा में पानी में घुल जाने वाले पदार्थ सम्मिलित कर गैल्वनिक करंट द्वारा तत्चा में घुल-मिल जाते हैं।

फ्लावर पावर फेशियल और फ्रूट फेशियल का भी प्रयोग बढ़ रहा है। फ्लावर पावर फेशियल में फूलों के सत और फ्रूट फेशियल में फलों से युक्त क्रीमों का प्रयोग किया जाता है।

इसके अतिरिक्त गोल्ड फेशियल में ऐसी फेशियल क्रीम का प्रयोग किया जाता है, जिसमें 24 कैरेट गोल्ड मिला हुआ होता है जो त्वचा में आसानी से जाकर त्वचा की कोशिकाओं में सुधार करता है। (स्वा. द.)

आदित्यनाथ ने नयी पुनर्वास कॉलोनी का नाम भरतपुर रखने का सुझाव दिया

बहराइच (उप्र) : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बहराइच जिले के महिपुरवा क्षेत्र में लगभग 500 आपदा प्रभावित लोगों के लिए आयोजित पुनर्वास कार्यक्रम के दौरान नयी कॉलोनी का नाम भरतपुर रखने का सुझाव दिया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, राम नवमी से पहले अयोध्या पर भरत का शासन था। राम नवमी से ठीक पहले इन ग्रामीणों को पुनर्वास का उपहार मिला है। यह नाम भगवान राम और भारत के आदर्श भाईचारे का प्रतीक होगा और विस्थापित परिवारों के बीच सामाजिक सौहार्द को मजबूत करेगा। कार्यक्रम सेमरहना ग्राम पंचायत के अंतर्गत महिपुरवा तहसील में आयोजित किया गया था, जिसमें सारयू नदी के किनारे बार-बार होने वाली आपदाओं और सुरक्षा जोखिमों के कारण भर्तापुर गांव से विस्थापित परिवारों का पुनर्वास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने नदी के कारण होने वाली घटनाओं और वन्यजीवों से उत्पन्न खतरों का आकलन करने के बाद प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, सरकार 'सेवा और संवेदनशीलता का नया पुल' बनाने और विस्थापित परिवारों के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने पर काम कर रही है।

उत्तर प्रदेश में दो दिन रहेगी राम नवमी की छुट्टी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में राम नवमी पर दो दिन छुट्टी रहेगी। राज्य सरकार ने मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह फैसला किया है। राज्य सरकार के बयान के मुताबिक सरकार ने 'जनभावना के सम्मान में' 26 मार्च के साथ-साथ 27 मार्च को भी अवकाश घोषित किया है। अधिकारियों के मुताबिक सरकार ने राम नवमी के अवसर पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और जगह-जगह शोभायात्राएं निकाले जाने के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 26 मार्च को ही राम नवमी का अवकाश घोषित किया गया था लेकिन अब 27 मार्च को भी अवकाश रहेगा।

पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का सूचीकरण 48 साल बाद शुरू

पुरी : पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' की बहुप्रतीक्षित सूचीकरण की प्रक्रिया 48 वर्षों के अंतराल के बाद बुधवार को शुरू हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के अनुसार, अधिकृत कर्मियों ने पारंपरिक धोती और गमछा पहनकर सुबह करीब 11:30 बजे मंदिर में प्रवेश किया। अधिकारियों ने बताया कि समान की गिनती की प्रक्रिया निर्धारित शुभ मुहूर्त, अपराह्न 12:09 बजे से 1:45 बजे के बीच शुरू हुई। इस दौरान केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही अंदर प्रवेश करने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से 12वीं सदी के इस मंदिर की दैनिक पूजा-पद्धति प्रभावित नहीं होगी। इस प्रकिया के दौरान श्रद्धालुओं को 'बाहर कथा' से दर्शन की अनुमति दी गई है जबकि 'भीतर कथा' तक जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति (एसजेटीएमसी) द्वारा तैयार और राज्य सरकार से अनुमोदित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, समान की गिनती की

शुरुआत दैनिक अनुष्ठानों में उपयोग होने वाले आभूषणों से की जाएगी। इसके बाद रत्न भंडार के बाहरी कक्ष और अंत में आंतरिक कक्ष को खोला जाएगा। इससे पहले 13 मई से 23 जुलाई, 1978 के बीच हुई गणना में 128.38 किलोग्राम के 454 स्वर्ण मिश्रित आभूषण, 221.53 किलोग्राम बजन के 293 चांदी मिश्रित आभूषण तथा कई बहुमूल्य रत्नों का विवरण दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि 1978 की प्रक्रिया 72 दिन चली थी लेकिन इस बार आधुनिक तकनीक के उपयोग से इसे कम समय में पूरा किया जाएगा।

जम्मू कश्मीर के सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा गया

सांबा (जम्मू-कश्मीर) : जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को पकड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के सतर्क जवानों ने रामगढ़ सेक्टर में सीमा चौकी 'भह्रर' के सामने पाकिस्तान के एक एक बुजुर्ग नागरिक की संदिग्ध हरकत देखी और सीमा में घुसने का प्रयास करने पर उसे चेतावनी दी। अधिकारियों के अनुसार, जवानों की चेतावनी पर व्यक्ति ने आत्मसमर्पण कर दिया, हालांकि, प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उसने अनजाने में सीमा पार की थी।

मेटा का पक्ष जाने बिना फेसबुक मार्केटप्लेस पर सूचीबद्धता को लेकर कार्रवाई नहीं की जाए: अदालत

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) को बुधवार को निर्देश दिया कि वह अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनी 'मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक' के खिलाफ 'फेसबुक मार्केटप्लेस' पर डाली जाने वाली किसी भी अनधिकृत सूचीबद्धता को लेकर कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न करे, जब तक कि उसे अपना पक्ष रखने का मौका न दिया जाये 'फेसबुक मार्केटप्लेस' पर वॉकी-टॉकी की कथित अनधिकृत बिक्री और सूचीबद्धता के लिए सीसीपीए के एक आदेश के खिलाफ मेटा की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि प्लेटफॉर्म को ''अस्पष्ट और व्यापक'' निर्देश देकर दंडित नहीं किया जा सकता है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को यौन उत्पीड़न मामले में अग्रिम जमानत मिली

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यौन शोषण के मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी को बुधवार को अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने अविमुक्तेश्वरानंद और मुकुंदानंद की जमानत याचिका पर यह फैसला सुनाया। हालांकि अदालत ने शिकायतकर्ता और याचिकाकर्ताओं दोनों को इस संबंध में मीडिया के समक्ष कोई बयान नहीं देने का निर्देश दिया। इससे पूर्व, अदालत ने अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी और कहा था कि नाबालिगों के कथित यौन उत्पीड़न मामले और प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज मामले में अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

पटना में गंगा में नहाने के दौरान डूबने से तीन युवकों की मौत

पटना : पटना में बुधवार सुबह गंगा नदी में नहाने गए तीन युवकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना राज्य की राजधानी के मालसलामी थाना क्षेत्र में स्थित एक घाट पर हुई। मृतकों की पहचान गणेश कुमार, रोहित कुमार और शिव कुमार के रूप में हुई है। तीनों पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र के निवासी थे। मालसलामी थानाध्यक्ष राज कुमार सिंह ने बताया, सुबह करीब सात बजे तीन युवक गंगा नदी में नहाने गए थे। नहाने के दौरान वे डूब गए। उन्होंने कहा कि पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम की मदद से 18-18 वर्ष के गणेश और रोहित को नदी से निकाला। थानाध्यक्ष ने बताया, उन्हें इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पश्चिम एशियाई क्षेत्र से 4.26 लाख यात्री भारत लौट चुके हैं: विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच, तेहरान स्थित दूतावास की सहायता से 717 छात्रों समेत कुल 1,043 भारतीय नागरिकों को ईरान से बाहर निकाला जा चुका है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को यह जानकारी दी। पश्चिम एशिया की स्थिति पर यहां आयोजित एक अंतर-मंत्रालयी वार्ता में, विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने कहा कि समग्र उड़ान स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है और 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र से लगभग 4.26 लाख यात्री भारत लौट चुके हैं।

महादेव ऐप: ईडी ने 1,700 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन जांच के तहत ''अवैध'' महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के मुख्य प्रवर्तकों में से एक, सौरभ चंद्राकर से जुड़े संगठनों की दुबई में स्थित लगभग 1,700 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त की। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी ने पहले बताया था कि इस मामले में छत्तीसगढ़ के कई उच्च पदस्थ राजनेता और नौकरशाह शामिल हैं। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अंतरिम आदेश जारी कर दुबई में दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा में कुछ संपत्तियों सहित कई विला और महंगे घरों को कुर्क करने का आदेश दिया है। सूत्रों के मुताबिक, कुर्क की गई संपत्तियां चंद्राकर, उनसे जुड़ी कंपनियों और सहयोगियों से संबंधित बताई जा रही हैं। सूत्रों ने बताया कि नवीनतम आदेश के तहत कुर्क की गई कुछ संपत्तियां भारत में हैं। महादेव ऐप के प्रवर्तकों में चंद्राकर और उनके सहयोगी रवि उप्पल शामिल हैं। दोनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। भारत उनके प्रत्यर्पण की कोशिश कर रहा है। चंद्राकर का आखिरी ज्ञात ठिकाना संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) था, जबकि उप्पल यूएई से भागकर वानुआतु चला गया है।

प्रधानमंत्री 28 मार्च को करेंगे जेवर हवाई अड्डे का उद्घाटन, तैयारियां जोरों पर

गौतमबुद्धनगर (उप्र) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को नोएडा में स्थित जेवर हवाई अड्डा का उद्घाटन करेंगे, जिसको लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। राज्य सरकार ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी से व्यवस्था को अमली जामा पहनाने में जुट गया है। बयान के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में की गई समीक्षा के बाद सभी विभाग अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। बयान में बताया गया है कि प्रशासनिक स्तर पर लगातार निगरानी के साथ यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यह ऐतिहासिक लोकार्पण कार्यक्रम पूरी तरह सुव्यवस्थित और

सफलतापूर्वक संपन्न हो। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कार्यक्रम की तमाम व्यवस्थाओं की निरंतर जानकारी ले रहे हैं और हाल ही में उन्होंने हवाई अड्डे का निरीक्षण कर सभी तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को उचित निर्देश भी दिये। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, मार्ग संचालन, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई, पेयजल, बैरिकेडिंग, 'साइनेज' और 'पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम' सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

उत्तरी सिक्किम में भूस्खलन के बाद चुंगथांग में करीब 200 पर्यटक फंसे

गंगटोक : उत्तरी सिक्किम में भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन के बाद चुंगथांग में लगभग 200 पर्यटक फंस गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार सुबह यह जानकारी दी। मंगन के जिलाधिकारी अनंत जैन ने बताया कि मंगलवार रात चुंगथांग-लाचेन मार्ग पर भूस्खलन होने से लाचेन जा रहे पर्यटक बीच रास्ते में ही फंस गए। उन्होंने बताया कि इन यात्रियों को रात भर चुंगथांग में भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के एक शिविर और एक गुरुद्वारे में ठहराया गया। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सड़क को साफ करने के काम में लगा हुआ है।

बिहार के मुख्यमंत्री ने बक्सर में 592 करोड़ रुपये की 64 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को समृद्धि यात्रा के दौरान बक्सर जिले में 592 करोड़ रुपये की 64 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। उन्होंने 486 करोड़ रुपये की लागत से 23 योजनाओं का शिलान्यास तथा 106 करोड़ रुपये की लागत से 41 योजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। बयान के मुताबिक इस दौरान उन्होंने 7,441 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के तहत 33 करोड़ 17 लाख रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया, साथ ही 7,859 जीविका स्वयं सहायता समूहों को विभिन्न बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण के तहत 100 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक दिया। बयान में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लाभार्थियों को सांकेतिक चेक, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग की विशेष सहायता योजना के तहत अनुदान भुगतान के चेक, आयुष्मान कार्ड, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड तथा कुशल युवा कार्यक्रम के प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

'निष्क्रिय इच्छा मृत्यु' की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का अंतिम संस्कार किया गया

गाजियाबाद (उप्र) : भारत में 'निष्क्रिय इच्छा मृत्यु' की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति 31 वर्षीय हरीश राणा का बुधवार सुबह दक्षिणी दिल्ली के ग्रीन पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया और इसी के साथ 13 साल से जारी उनके चिकित्सकीय संघर्ष का अंत हो गया। परिवार की सहमति से उनके पांच अंग दान कर दिए गए। हरीश के एक पड़ोसी ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया कि उनकी मां निर्मला देवी ने अपने बेटे को हाथ जोड़कर भावुक विदाई दी जबकि पिता अशोक राणा ने शोक जताने आए लोगों से न रोने का आग्रह करते हुए कहा कि उनका बेटा अब ''एक अच्छी जगह'' पर है। दाह संस्कार में शामिल हुए स्थानीय निवासियों ने भी माहौल को बेहद भावुक बताया। राज एम्पायर सोसाइटी के निवासी तेजस चतुर्वेदी ने कहा कि अंतिम संस्कार के दौरान कई लोगों की आंखों में आंसू आ गए, लेकिन अशोक राणा दूसरों को सांत्वना देते रहे और दुख की घड़ी में मजबूत बने रहने का आग्रह करते रहे। राणा ने कहा,किसी को रोने न दें। मैं प्रार्थना कर रहा हूं कि मेरा बेटा शांति से विदा हो जाए। वह आगे जहां भी पैदा हो, उसे भगवान का आशीर्वाद मिले।

आईएएस के 1,300 और आईपीएस के 505 पद रिक्त: कार्मिक राज्य मंत्री

नयी दिल्ली : सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के लगभग 1,300 और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 505 पद रिक्त हैं। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 4,594 आईपीएस अधिकारी कार्यरत हैं, जबकि स्वीकृत पदों की संख्या 5,099 है। मंत्री ने बताया कि आईएएस के कुल 6,877 स्वीकृत पद हैं जबकि 5,577 अधिकारी कार्यरत हैं। सिंह ने बताया कि आईएएस के रिक्त पदों पर भर्ती सरकार द्वारा जारी आरक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार की जाती है। उन्होंने कहा, ''2012 से अब तक हर साल सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से भारतीय प्रशासनिक सेवा में कुल 180 अभ्यर्थियों की भर्ती की गई है, जिनमें से 4 प्रतिशत सीट दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूबीडी) के लिए आरक्षित हैं।'' उन्होंने बताया कि रिक्तियों का नियमित रूप से आकलन किया जाता है और आरक्षण मानदंडों को ध्यान में रखते हुए आईएएस के सभी विज्ञापित पदों को भरा जाता है। सिंह ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से 245, अनुसूचित जाति (एससी) के 135 और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 67 अभ्यर्थी भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त किए गए हैं।

न्यायालय ने वंदे मातरम् पर गृह मंत्रालय के परिपत्र के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के गायन से संबंधित गृह मंत्रालय के एक परिपत्र के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से बुधवार को इनकार करते हुए कहा कि यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने मोहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर याचिका को ''समय से पहले'' दायर की गई याचिका बताया और इसे ''भेदभाव की अस्पष्ट आशंका'' पर आधारित करार दिया। नूरी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि वे देश के हर धर्म का सम्मान करते हैं, लेकिन अगर लोगों को उनके धर्म और आस्था की परवाह किए बिना यह गीत गाने के लिए बाध्य किया जाता है तो कुछ लोगों को यह ''निष्ठा के सामाजिक प्रदर्शन'' में भाग लेने की मजबूरी लग सकती है।

विपक्ष के विरोध के बीच सरकार ने राज्यसभा में केंद्रीय सशस्त्र बल संबंधी विधेयक पेश किया

नयी दिल्ली : राज्यसभा में बुधवार को सरकार ने विपक्ष के विरोध के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पेश किया और सदन ने इस संबंध में विपक्ष के नोटिस को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। यह विधेयक पांच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए अलग-अलग सेवा नियम व्यवस्था के मौजूदा तंत्र की जगह, विभिन्न सीएपीएफ बलों में कर्मियों को नियंत्रित करने वाला एक एकीकृत कानूनी ढांचा बनाने का प्रावधान करता है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पेश करते हुए इससे संबंधित चिंताओं को दूर करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, सीएपीएफ धारा 312 के तहत शासन प्रणाली को प्रभावित या परिवर्तित नहीं करता है, उन्होंने कहा कि बलों के कर्तव्य, शक्तियों और शासन उनके मौजूदा जनादेश के तहत बरकरार रहेंगे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

शिल्पकार द्वारा चंदन की लकड़ी से निर्मित मां दुर्गा की मूर्ति भेंट की। शर्मा ने इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से विकसित राजस्थान के

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नयी दिल्ली में स्थित संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। अधिकारियों ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। अधिकारियों के अनुसार शर्मा ने प्रधानमंत्री को नवरात्र पर्व की शुभकामना और बधाई देते हुए राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, जारी जन कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'डबल इंजन' सरकार की योजनाओं और नीतियों के सफल क्रियान्वयन से आमजन लाभांवित हो रहे हैं और राजस्थान विकास के मामले में नयी ऊंचाइयां छू रहा है।

आईआरसीटीसी पोर्टल से फर्जी तीन करोड़ खाते हटाए गए: वैष्णव

नयी दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि रेलवे टिकट बुक करने में बिचौलियों और दलालों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए आईआरसीटीसी के पोर्टल से तीन करोड़ से अधिक फर्जी खातों को हटा दिया गया है। उन्होंने लोकसभा में प्रश्नकाल में यह भी कहा कि आज देश में संचालित रेलगाड़ियों में 70 प्रतिशत डिब्बे सामान्य और शयनयान श्रेणी के हैं तथा 78 प्रतिशत सीट गैर-वातानुकूलित डिब्बों में हैं। वैष्णव ने निर्दलीय सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने ट्रेनों में आम लोगों और गरीबों के लिए अपेक्षाकृत कम डिब्बे होने जैसी सदस्य की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा, ''यह भ्रांति फैलाने का प्रयास है। 70 प्रतिशत डिब्बे आज भी सामान्य और शयनयान श्रेणी के

हैं। ट्रेनों में करीब 78 प्रतिशत सीट सामान्य और शयनयान यानी गैर-वातानुकूलित श्रेणी में हैं।'' उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के समय बहुत कम विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाती थीं, लेकिन राजग सरकार में 2023-24 में 40,500 विशेष ट्रेन चलाई गईं, पिछले वित्त वर्ष में 85,400 विशेष ट्रेनें चलाई गईं और चालू वित्त वर्ष में अब तक 75 हजार विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा चुकी हैं।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में सौतेली मां की हत्या के मामले में नाबालिग को आजीवन कारावास

सोनभद्र : उत्तर प्रदेश के सोनभद्र की एक अदालत ने छह वर्ष पहले सौतेली मां की हत्या करने के मामले में एक नाबालिग को दोषी ठहराते हुए बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि ने बताया कि 19 सितंबर 2019 को अजनिया गांव के निवासी अनिरुद्ध गुप्ता ने कोन थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 30 वर्षीय बेटी रागिनी की 17 वर्षीय सौतेले बेटे ने चाकू मारकर हत्या कर दी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, रागिनी की शादी घटना से लगभग छह वर्ष पहले कचनरवा के निवासी शिवनारायण गुप्ता से हुई थी। शिवनारायण पहले से ही विवाहित था। अग्रहरि ने बताया कि घटना के समय शिवनारायण और उसकी पहली पत्नी घर पर नहीं थे, इसी दौरान उनके बेटे ने रागिनी पर चाकू से हमला किया, जिससे उसे गंभीर चोट आई और उसकी मृत्यु हो गई।

गुजरात में यूसीसी विधेयक पारित, शाह ने कहा 'सभी नागरिकों के लिए समान कानून'

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को गुजरात विधानसभा द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित किए जाने की सराहना की और कहा कि देश को तुष्टिकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानूनों के आधार पर चलाया जाना चाहिए। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थापना से ही यह संकल्प रहा है कि देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा शासित राज्य इस दिशा में

लगातार आगे बढ़ रहे हैं। शाह ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उत्तराखंड के बाद गुजरात ने भी यूसीसी विधेयक पारित कर 'ऐतिहासिक कार्य' पूरा कर लिया है और इस प्रकार अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। उन्होंने कहा, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री भूपेंद्र (पटेल) और इस विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूं। देश का संचालन तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानूनों के आधार पर होना चाहिए। यह हमारी प्राथमिकता और हमारा संकल्प दोनों है। गुजरात विधानसभा ने मंगलवार को सात घंटे से अधिक चली बहस के बाद यूसीसी विधेयक पारित कर दिया गया, जिसका उद्देश्य धर्म की परवाह किए बिना विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और सहजीवन (लिव-इन) संबंध को नियंत्रित करने के लिए एक समान कानूनी ढांचा स्थापित करना है।

फर्जी एफएमजीई प्रमाण पत्रों से 'डॉक्टर' बनने वालों पर कार्रवाई, आरएमसी रजिस्ट्रार समेत 18 गिरफ्तार

जयपुर : राजस्थान विशेष अभियान समूह(एसओजी) ने कूटरचित 'फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स एग्जामिनेशन' (एफएमजीई) प्रमाण पत्रों के जरिए चिकित्सक बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करके कुल 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इनमें विदेशों से डिग्री लेकर चिकित्सक बने 15 आरोपी भी शामिल हैं जबकि एक दलाल है। पुलिस के अनुसार अधिकांश मामलों में एक फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने के बदले में प्रत्येक अभ्यर्थी से 20 से 25 लाख रुपए लिए जाते थे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि फर्जी एफएमजीई प्रमाण पत्रों की शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज

करके जांच शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान करौली में 'इंटर्नशिप' कर रहे आरोपी पीयूष त्रिवेदी को गिरफ्तार किया गया, जिससे पूछताछ के दौरान पूरे नेटवर्क का खुलासा किया। बंसल ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि पीयूष को फर्जी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने में देवेंद्र, शुभम और भानाराम की भूमिका रही, जिसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार किया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने बताया कि जांच में सामने आया कि फर्जी एफएमजीई प्रमाण पत्रों के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) से 'इंटर्नशिप' कराने और रजिस्ट्रेशन नंबर दिलाने वाला एक संगठित गिरोह सक्रिय था। उन्होंने कहा कि मामले में आरएमसी के तत्कालीन रजिस्ट्रार और कर्मचारियों की मिलीभगत उजागर होने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। बंसल ने बताया कि अब तक की जांच में 90 से अधिक ऐसे चिकित्सकों के बारे में पता चला है, जिन्होंने फर्जी दस्तावेज के जरिए रजिस्ट्रेशन हासिल किया। उन्होंने कहा कि आरएमसी के अधिकारी प्रति प्रमाण पत्र 10 से 12 लाख रुपये लेते थे, इसके अलावा फर्जी प्रमाण पत्र तैयार करने वाले दो लाख रुपए लेते और शेष राशि दलाल आपस में बांट लेते थे।

शेयर बाजार की दो सत्र की तेजी से निवेशकों की संपत्ति 15.80 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

पश्चिम एशिया संकट की चुनौतियों से निपटने के लिए देश को एकजुट होना होगा: गोयल

नयी दिल्ली: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को यहां मालाबार चैरिटेबल ट्रस्ट के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया के संकट से पैदा होने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरे देश को एक साथ आना होगा। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के कारण जहाजों की आवाजाही रुक गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। गोयल ने कहा, 'वहां युद्ध हो रहा है, जिससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। भारत किसी भी तरह से इस युद्ध में शामिल नहीं है। लेकिन जब युद्ध होता है, तो उसका नुकसान दूसरों को भी झेलना पड़ता है और मुश्किलें आती हैं। मुमकिन है कि मालाबार समूह को पश्चिम एशिया के देशों में सामान भेजने में दिक्कत आ रही हो। लेकिन यह ऐसा समय है जब पूरे देश को एकजुट होना होगा। समय की इन चुनौतियों का सामना करने के लिए देश को साथ आना पड़ेगा।' उन्होंने यह भी बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने 38 विकसित देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इन समझौतों की वजह से भारतीय सामान को दुनिया के दो-तिहाई बाजारों में खास जगह मिल रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय उद्योगों, किसानों, छोटे व्यापारियों और कारीगरों को अपनी गुणवत्ता बेहतर करके इन मौकों का फायदा उठाना चाहिए।

सीबीआईसी ने अपने पोर्टल पर यूपीआई, क्रेडिट कार्ड के माध्यम से सीमा शुल्क भुगतान की अनुमति दी

नयी दिल्ली: केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा है कि अब कंपनियां विभाग के !'आइसगेट' पोर्टल पर सीमा शुल्क का भुगतान करने के लिए यूपीआई, डेबिट या क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर सकती हैं। सीबीआईसी ने एक परिपत्र में कहा कि आइसगेट (भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज गेटवे) ई-भुगतान मंच ने सीमा शुल्क भुगतान को सुविधाजनक बनाने के लिए 'पेमेंट एग्रीगेटर' को एक अधिकृत माध्यम के रूप में सक्षम किया है। आइसगेट मूल रूप से भारतीय सीमा शुल्क के लिए महत्पूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचे के रूप में कार्य करता है। यह एक ऐसे इंटरफेस के रूप में काम करता है जिसके माध्यम से आयातक और निर्यातक दस्तावेज दाखिल करते हैं,

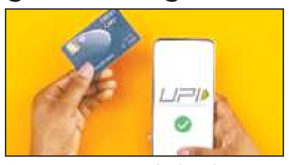

मंजूरी पर नजर रखते हैं और शुल्क भुगतान करते हैं। हालांकि, समय के साथ प्रणाली में काफी विकास हुआ है, भुगतान व्यवस्था काफी हद तक सीमित संख्या में अधिकृत बैंकों और नेट बैंकिंग तथा एनईएफटी/आरटीजीएस जैसे पारंपरिक चैनलों तक ही सीमित रही है। कर और परामर्श कंपनी एकेएम ग्लोबल के अप्रत्यक्ष कर प्रमुख इकेश नागपाल ने कहा, 'आइसगेट पर पेमेंट एग्रीगेटर की पेशकश के साथ, शुल्क भुगतान अब विशिष्ट बैंकिंग चैनल तक सीमित नहीं रह गए हैं।

कच्चे तेल के दाम में नरमी से बाजार में दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 1,205 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 394 अंक के लाभ में रहा। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल के दाम में कमी और वैश्विक बाजारों में मजबूती के साथ घरेलू शेयर बाजार बढ़त में रहे। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक यानी 1.63 प्रतिशत बढ़कर 75,273.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,781.31 अंक चढ़कर 75,849.76 अंक पर पहुंच गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.05 अंक यानी 1.72 प्रतिशत बढ़कर 23,306.45 अंक पर बंद हुआ।

नयी दिल्ली: स्थानीय शेयर बाजार में आई तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति दो सत्र में 15.80 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और पश्चिम एशिया युद्ध को लेकर तनाव कम होने की उम्मीद से बाजार में सुधार देखा गया। शेयर बाजार में पिछले दो कारोबारी सत्र से तेजी बनी हुई है और इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 2,577.06 अंक यानी 3.54 प्रतिशत चढ़ा है। बुधवार को 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक यानी 1.63 प्रतिशत चढ़कर 75,273.45 अंक पर बंद हुआ। निवेशकों की सकारात्मक धारणा से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण दो सत्र में 15,80,204.92 करोड़ रुपये बढ़कर 4,31,01,834.74 करोड़ रुपये हो गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 6.16 प्रतिशत टूटकर 97.79 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

एक अप्रैल से पुनर्खरीद के तहत शेयर बेचने से पूंजीगत लाभ पर एक समान 12 प्रतिशत अधिभार होगा लागू

नयी दिल्ली: कंपनियों की पुनर्खरीद पेशकश में शेयर बेचकर व्यक्तिगत या कॉरपोरेट शेयरधारकों द्वारा अर्जित पूंजीगत लाभ पर एक अप्रैल से 12 प्रतिशत का एकसमान अधिभार लगाया जाएगा। लोकसभा से बुधवार को वित्त विधेयक को मिली मंजूरी में यह संशोधन किया गया है। सरकार ने बुधवार को वित्त विधेयक 2026 में 32 संशोधन पेश किए। वित्त विधेयक को बाद में सदन ने मंजूरी दे दी। संशोधित वित्त विधेयक पर शुक्रवार को राज्यसभा में विचार किया जाएगा। संशोधनों पर टिप्पणी करते हुए, नांगिया ग्लोबल एडवाइजर्स के कर भागीदार (विलय एवं अधिग्रहण) संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए पुनर्खरीद से प्राप्त पूंजीगत लाभ पर 12 प्रतिशत का एकसमान अधिभार लगाने से उनकी प्रभावी कर लागत में काफी वृद्धि होगी, क्योंकि पहले कम अधिभार लागू था। वर्तमान में, 50 लाख रुपये तक की कर योग्य आय पर कोई अधिभार नहीं लगाया जाता है, जबकि 50 लाख रुपये और एक करोड़ रुपये के बीच की कर योग्य आय पर पुनर्खरीद (बायबैक) से प्राप्त पूंजीगत लाभ पर 10 प्रतिशत का अधिभार लगता है।

रुपया 20 पैसे टूटकर 93.96 प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद

मुंबई: अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 20 पैसे टूटकर अपने नए रिकॉर्ड निचले स्तर 93.96 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की भारी निकासी और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से निवेशक चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर के कमजोर रुख और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा के बावजूद स्थानीय मुद्रा को कोई राहत नहीं मिल सकी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.94 पर खुला। डॉलर के मुकाबले 93.86 से 94.13 की सीमा में कारोबार करने के बाद अंततः यह 93.96 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की गिरावट है।

क्रेड ने 5,000 रुपये तक के यूपीआई भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण किया शुरू

नयी दिल्ली: वित्तीय प्रौद्योगिकी मंच क्रेड के उपयोगकर्ता अब 5,000 रुपये तक के यूपीआई भुगतान के लिए चेहरे या 'फिंगरप्रिंट' के माध्यम से लेनदेन को अधिकृत कर सकेंगे। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के सहयोग से विकसित यह सुविधा आईओएस और एंड्रॉयड दोनों उपकरणों पर उपलब्ध है। यह प्रमाणीकरण व्यवस्था मंच पर होने वाले सभी यूपीआई आधारित लेनदेन पर लागू होगी जिनमें क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान, यूटिलिटी बिल, व्यापारिक लेनदेन और व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) हस्तांतरण शामिल हैं। क्रेड ने कहा,' 5,000 रुपये तक के लेनदेन के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण आईओएस तथा एंड्रॉयड दोनों पर उपलब्ध है। यह सुविधा सदस्यों को अपने उपकरणों (आईओएस व एंड्रॉयड) पर उपलब्ध प्रमाणीकरण प्रणाली का सुरक्षित रूप से उपयोग करने में सक्षम बनाती है, जो नियामकीय दिशानिर्देशों के अनुरूप है।'

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच चांदी में 11,250 रुपये का उछाल, सोना 4,900 रुपये चढ़ा

नयी दिल्ली: मजबूत वैश्विक रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में पांच प्रतिशत तक की तेजी आई। इस तेजी के कारण चांदी 11,250 रुपये चढ़कर 2.41 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि सोना 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 11,250 रुपये या 4.89 प्रतिशत बढ़कर 2,41,250 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई, जो मंगलवार के बंद भाव

2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 4,900 रुपये या 3.38 प्रतिशत बढ़कर 1,49,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। सर्राफा बाजार में सोने का पिछला बंद भाव 1,44,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने गैस, एलपीजी शुल्क लगाने को लेकर होटल, रेस्तरांओं को किया आगाह

नयी दिल्ली: केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने बुधवार को होटल और रेस्तरांओं को चेतावनी दी कि वे एलपीजी शुल्क और ईंधन लागत वसूली जैसे अतिरिक्त शुल्क न लगाएं। प्राधिकरण ने कहा कि ये अनुचित व्यापार गतिविधियां हैं और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत अनुचित व्यापार गतिविधियां करार दिया है और बताया है कि 'मेन्यू' में उल्लेखित मूल्य में केवल लागू कर ही जोड़े जा सकते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सीसीपीए ने 'होटल और रेस्तरांओं द्वारा उपभोक्ताओं के बिलों में एलपीजी शुल्क, गैस अधिभार और ईंधन लागत वसूली जैसे अतिरिक्त शुल्क लगाने को संज्ञान में लिया है।'' सीसीपीए ने पाया कि सेवा शुल्क संबंधी मौजूदा दिशानिर्देशों का उल्लंघन कर ऐसे शुल्क लगाए जा रहे हैं। प्राधिकरण ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 10 के तहत एक परामर्श जारी किया है। इसमें निर्देश दिया गया है कि ऐसे कोई भी शुल्क स्वतः नहीं लगाए जाएंगे और उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बयान में कहा गया, 'राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर प्राप्त शिकायतों और मीडिया रिपोर्ट के आधार पर, सीसीपीए ने पाया है कि कुछ होटल और रेस्तरां मेन्यू में प्रदर्शित खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों की कीमत और लागू करों के अतिरिक्त, उपभोक्ता बिल में ऐसे अतिरिक्त शुल्क स्वतः ही जोड़ रहे हैं।'

आईपीएल के अधिकतर कप्तानों ने विवादास्पद इंपैक्ट प्लेयर नियम पर आपत्ति जताई

नयी दिल्ली: इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर कप्तानों ने विवादास्पद 'इंपैक्ट प्लेयर' नियम पर आपत्ति जताई है। 2023 में लागू इस नियम को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2027 तक बढ़ा दिया है, लेकिन खिलाड़ियों और प्रशंसकों के बीच इसे लेकर बहस जारी है। मुंबई में सभी 10 टीमों के कप्तानों की बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। एक सूत्र के अनुसार, अधिकांश कप्तानों ने अपनी चिंताएं रखीं, लेकिन बीसीसीआई ने स्पष्ट कर दिया कि इस नियम की समीक्षा 2027 के बाद ही संभव होगी। अक्षर पटेल ने हाल ही में इस नियम की आलोचना करते हुए कहा कि इससे ऑलराउंडरों की भूमिका कमजोर होती है। उनके मुताबिक, पहले टीम संतुलन के लिए ऑलराउंडरों

का चयन किया जाता था, लेकिन अब विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे पहले रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी इस नियम के खिलाफ आवाज उठा चुके हैं। उनका मानना है कि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडरों के विकास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। विदेशी खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स ने भी इसी तरह की चिंता जताई है। बैठक में गेंद बदलने के नियम पर भी चर्चा हुई, लेकिन पहली पारी में बदलाव के प्रस्ताव को ज्यादा समर्थन नहीं मिला। ओस के प्रभाव को देखते हुए दूसरी पारी में गेंद बदलने का मौजूदा नियम जारी रहेगा। इस बैठक में सभी कप्तान भारतीय थे, क्योंकि विदेशी कप्तानों की अनुपस्थिति में स्थानीय खिलाड़ी टीमों का नेतृत्व कर रहे थे।

गुरिंदरवीर ने 60 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, अनिमेष अयोग्य घोषित

भुवनेश्वर: पंजाब के फर्राटा धावक गुरिंदरवीर सिंह ने राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के शुरुआती सत्र के आखिरी दिन बुधवार को पुरुषों की 60 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में जीत के दावेदार अनिमेश कुजुर को नाटकीय फाइनल में अयोग्य कर दिया गया। दो दिन के चैंपियनशिप का समापन पुरुषों की 60 मीटर फाइनल से हुआ, जिसमें रिलायंस फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व कर रहे गुरिंदरवीर सबसे तेज धावक के रूप में उभरे। पच्चीस साल के गुरिंदरवीर इससे पहले 100 मीटर आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी रह चुके हैं। उन्होंने 6.60 सेकंड का समय निकाला और तामिलनाडु की एलकिया दसन के 2018 से कायम 6.67 सेकंड के राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) हालांकि इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड की आधिकारिक सूची नहीं रखता है। इस दौड़ में तीन बार फॉल्स्टार्ट (संकेत मिलने से पहले दौड़ शुरू कर देना) हुए, जिसमें तीसरे फॉल्स्टार्ट पर स्थानीय धावक अनिमेश

कुजुर को रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे 17,000 क्षमता वाले कालींगा स्टेडियम परिसर में मौजूद दर्शक स्तब्ध रह गए। अनिमेश 100 मीटर और 200 मीटर आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी हैं, मैदान छोड़ते समय अधिकारियों से बातचीत करते दिखे। ओडिशा के लालू प्रसाद भौई 6.65 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि हरियाणा के नुजरत 6.71 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फॉल्स्टार्ट के कारण अनिमेश के अलावा ओडिशा के डोंडापाटी मृत्यम और कर्नाटक के नेहल सागर भी डिसक्वालीफाई हुए। गुरिंदरवीर ने बाद में कहा कि उन्होंने रेस अधिकारियों से अनुरोध किया था कि अनिमेश को दौड़ने दिया जाए लेकिन यह नियमों के तहत संभव नहीं था।

भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप के पहले चरण में दो कांस्य जीते, चार फाइनल में पहुंचे

बैंकॉक: भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में बुधवार को दूसरे दिन दो कांस्य पदक जीते, जबकि पुरुष रिकर्व और महिला कंपाउंड टीम स्पर्धाओं के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया। भारत ने व्यक्तिगत स्पर्धा में भी तीन पदक पक्के किए, लेकिन यह रिकर्व वर्ग के पुरुषों के लिए निराशाजनक अभियान साबित हुआ, जहां चारों तीरंदाजों में से कोई भी पदक की दौड़ में नहीं रहा। यह पिछले सत्र में विष्णु चौधरी और राहुल द्वारा शीर्ष दो स्थान हासिल करने की तुलना में एक करारा झटका था। महिला कंपाउंड टीम ने पिछली बार कांस्य जीता था, लेकिन इस बार फाइनल में पहुंचकर पदक का रंग बेहतर करेगी। चिकिथा तानीपर्थी, राज कौर और तेजल साल्वे की तिकड़ी ने स्थानीय खिलाड़ी कन्यावी मानीसोम्बात्कुल, कानोकनापुस काएचोम्फू और चानीदप्पा तानारत्पितिनान को 229-226 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त कजाखस्तान से होगा। पुरुष कंपाउंड वर्ग में क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहने के बावजूद भारतीय तीरंदाज खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा। रजत चौहान, ऋषभ यादव और उदय कम्बोज को वियतनाम के हाथों सेमीफाइनल में 233-234 से पराजय मिली। कांस्य पदक के मुकाबले में भारतीय टीम ने भूटान को 234-232 से हराया।

वनडे विश्व कप खिताब ने हमें दुनिया में कहीं भी जीतने का आत्मविश्वास दिया: हरमनप्रीत

नयी दिल्ली: भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बुधवार को कहा कि पिछले साल घरेलू मैदान पर वनडे विश्व कप जीतने से टीम को दुनिया में कहीं भी और खिताब जीतने के लिए बहुत जरूरी आत्मविश्वास मिला। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल नवंबर में नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। हरमनप्रीत को उम्मीद है कि 12 जून से पांच जुलाई तक ब्रिटेन में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भी टीम यह कारनामा दोहराने में सफल रहेगी। द्वारका के ओमेक्स स्टेडियम में उनके सम्मान में बने स्टैंड के नामकरण समारोह के दौरान हरमनप्रीत ने कहा, 'मेरा मानना है कि किसी भी क्षेत्र में आपको कुछ खास करना होता है। आपको कोई खिताब जीतना होता है, तभी आपको पहचान मिलती है। ऐसा न होने पर मानो लगता है कि सारी मेहनत बेकार चली गई।' उन्होंने कहा, ''हमारी टीम ही नहीं हमसे पहले की सभी महिला क्रिकेटरों ने कड़ी मेहनत की। उन्हें तो अक्सर अपनी जेब से भी पैसे खर्च करने पड़े थे। इसलिए खिताब जीतना बहुत महत्वपूर्ण था। खिताब हासिल करने के बाद भारतीय प्रशंसकों, मीडिया और बाकी सभी से जो प्रतिक्रिया हमें मिल रही है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखती है।'

अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन
अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल
लिलुआ, हावड़ा

कीर्तिर्यस्य स जीवति

महाराजा अग्रसेन के परम् अनुयायी, पितृभक्त, जनसेवा भाव से ओत-प्रोत उत्तर हावड़ा एवं निकटवर्ती क्षेत्र में बालक-बालिकाओं के उत्थान एवं उत्कृष्ट शिक्षा के प्रति आजीवन निःस्वार्थ भाव से समर्पित परम शिक्षानुरागी श्री बासुदेव टिकमानी के छठे प्रयाण दिवस पर हम सभी अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन एवं अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल के पदाधिकारी, शिक्षक वृन्द, कर्मचारी एवं 8000 छात्र-छात्रायें उनके प्रति हृदय से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन एवं अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल

श्रीमती अबीरा दास
प्रिंसिपल
अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल

सरोज कुमार श्रीवास्तव
प्रिंसिपल
अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन

वर्ष 11, पूर्णांक 3542 अंक 008 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in